RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 216 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 06-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस चाहती है कि भारत आंख मूंदकर ईरान का समर्थन करे : भाजपा

6 क्या हर युद्ध हमारी अर्थव्यवस्था की परीक्षा बन जाएगा?

7 'द ब्लफ' में प्रियंका चोपड़ा का अभिनय देख हैरान हुए एसएस राजामौली

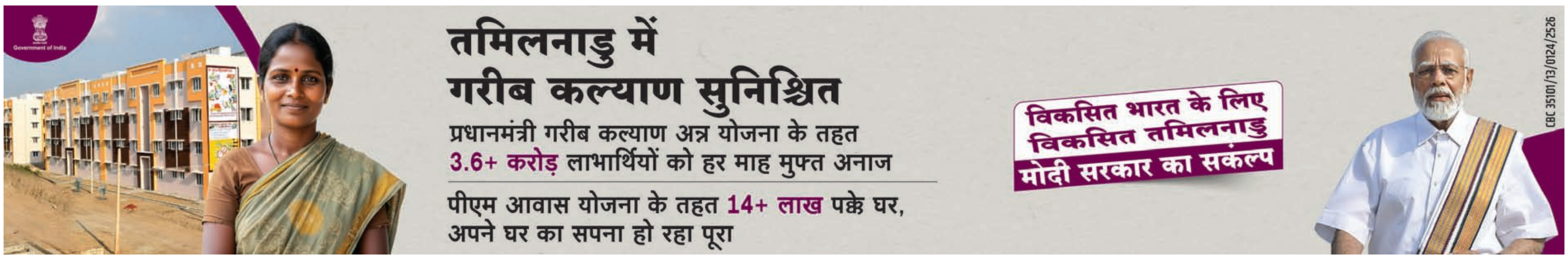

फर्स्ट टेक

रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता का नया दौर स्थगित किया गया : जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण इस सप्ताह रूस और यूक्रेन के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली वार्ता का नया दौर स्थगित कर दिया गया है। इस बीच, अमेरिका और पश्चिम एशिया में उसके सहयोगी ईरान के शाहेद ड्रोन का मुकाबला करने के लिए कीव की विशेषज्ञता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने चार साल पहले अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला करने के बाद से उस पर हजारों मिसाइलें दागी हैं। ईरान ने अमेरिकी-इजराइली संयुक्त हमलों के जवाब में उसी प्रकार के ड्रोन का इस्तेमाल किया है। ईरान के साथ जारी युद्ध का आज छठा दिन है। जेलेंस्की ने बुधवार को कहा, ''फिलहाल, ईरान के आसपास की स्थिति के कारण, त्रिपक्षीय बैठक के लिए आवश्यक संकेत अभी तक नहीं मिले हैं।''

चीन ने रक्षा बजट 10 प्रतिशत बढ़ाकर 275 अरब डॉलर किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने अपने रक्षा बजट में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करते हुए बृहस्पतिवार को इसे 275 अरब अमेरिकी डॉलर कर दिया। यह पिछले वर्ष की तुलना में करीब 25 अरब डॉलर अधिक है और इसका उद्देश्य सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण को तेज कर अमेरिकी सेना के बराबर तक पहुंचना है। चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने बृहस्पतिवार को नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) में पेश अपनी कार्य रिपोर्ट में घोषणा की कि राष्ट्रीय रक्षा के लिए लगभग 1.9 ट्रिलियन युआन (करीब 275 अरब डॉलर) आवंटित किए जाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सेदारी, प्रति व्यक्ति रक्षा व्यय और प्रति सैनिक रक्षा खर्च जैसे प्रमुख मानकों के लिहाज से चीन का रक्षा खर्च तुलनात्मक रूप से अभी भी सीमित है। पिछले वर्ष चीन ने 2025 के लिए अपने रक्षा बजट में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 249 अरब डॉलर करने की घोषणा की थी, जो 2024 की तुलना में लगभग 17 अरब डॉलर अधिक था।

06-03-2026 सूर्यास्त 6:18 बजे	07-03-2026 सूर्योदय 6:21 बजे
BSE 80,015.90 (+899.71)	NSE 24,765.90 (+285.40)
सोना 16,771 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 278,000 रु. प्रति किलो

सनातन धर्म सामाजिक सद्भाव और एकता को बढ़ावा देता है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि सनातन धर्म सामाजिक सद्भाव और एकता को बढ़ावा देता है। उन्होंने साथ ही कहा कि जाति के नाम पर भेदभाव किया जाना धर्म और समाज दोनों को नुकसान पहुंचाता है।

भागवत ने यहां के निकट जेतलपुर गांव में स्वामीनारायण मंदिर में एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान की प्रत्येक रचना का एक उद्देश्य होता है और सभी के प्रति अपनेपन की भावना सामाजिक सद्भाव का सार है। उन्होंने कहा, ईश्वर की सृष्टि में सूखी घास के तिनके का भी कोई न कोई उद्देश्य होता है। सभी को इसी भाव से अपनाना और हृदय में अपनेपन की भावना रखना ही सामाजिक समरसता कहलाता है। हर व्यक्ति ईश्वर की रचना है।''

भागवत ने कहा, ''ऊंच-नीच का भेद आखिर कहां से आया? जाति और वर्ग व्यवस्थाएं शायद मौजूद थीं, लेकिन इनका उद्देश्य भेदभाव करना नहीं था। जब इस तरह की व्यवस्था में भेदभाव प्रवेश कर जाता है, तो यह धर्म और समाज दोनों को नुकसान पहुंचाता है।'' उन्होंने कहा कि धर्म केवल शास्त्रों, भाषणों या कल्पना तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार और आचरण में भी विद्यमान होता है।

भागवत ने कहा, ''जब हम सनातन धर्म का पालन करते हैं, तो धर्म की रक्षा स्वतः ही हो जाती है। धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए लोगों में एकता आवश्यक है। यदि आप धर्म और संस्कृति की रक्षा करना चाहते हैं, तो उनका पालन करने वालों की रक्षा करें।'' उन्होंने कहा कि एकता से ही सुरक्षा मिलती है और ताकत भी इसी से उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि लोगों को एकजुट करने के लिए मन में अपनेपन और पूर्णता की भावना होनी चाहिए और ऐसा दृष्टिकोण ही वर्तमान समय में सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान है।

भागवत ने कहा, ''भारत को अंततः दुनिया की समस्याओं के समाधान में मार्गदर्शन करना होगा। एक दिन भारत को ही पूरी दुनिया को राह दिखाने का दायित्व सौंपा जायेगा। हम इससे बच नहीं सकते; हमें यह काम आज नहीं तो कल करना ही होगा। दुनिया के पास अपनी समस्याओं के समाधान नहीं हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया, यूक्रेन के संघर्षों को शीघ्र समाप्त करने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ दोनों पक्षों ने रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमति व्यक्त की।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी संघर्षों को ''शीघ्र समाप्त'' करने का बृहस्पतिवार को आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे का समाधान सैन्य टकराव के माध्यम से नहीं किया जा सकता। मोदी ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद ये टिप्पणियां कीं। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब अमेरिका और इजरायल का ईरान के साथ युद्ध छठे दिन भी जारी रहा, जिसमें दोनों पक्षों ने ताजा हमले किए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया।

स्टब ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी का जोरदार समर्थन किया, और तर्क दिया कि वर्तमान भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए वैश्विक बहुपक्षीय प्रणाली में व्यापक सुधार के साथ-साथ यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अपने मीडिया वक्तव्य में मोदी ने कहा कि डिजिटलीकरण और स्थिरता के क्षेत्र में भारत-फिनलैंड के संबंधों को एक रणनीतिक साझेदारी का रूप दिया और 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का संकल्प जताया।

भारत और फिनलैंड ने प्रवासन और आवागमन से संबंधित एक समझौते सहित तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिससे भारतीय प्रतिभाओं के यूरोपीय देश में आवागमन में सुविधा होगी।

मोदी ने कहा कि डिजिटलीकरण और स्थिरता के क्षेत्र में भारत-फिनलैंड की रणनीतिक साझेदारी एआई, 6जी दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग सहित कई उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगी। दोनों पक्षों ने रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमति व्यक्त की। मोदी-स्टब वार्ता में पश्चिम एशिया का संकट प्रमुखता से उठाया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत और फिनलैंड, दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। हम इस बात पर सहमत हैं कि किसी भी मुद्दे का समाधान केवल सैन्य संघर्ष से नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्षों के शीघ्र अंत और शांति की दिशा में किए जा रहे हर प्रयास का समर्थन करना जारी रखेंगे।'' मोदी ने भारत-यूरोप संबंधों में आए सुधार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, आज विश्व एक अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। ऐसे वैश्विक माहौल में, दुनिया की दो सबसे बड़ी कूटनीतिक शक्तियां भारत और यूरोप अपने संबंधों के सुनहरे दौर में प्रवेश कर रही हैं।

भारत और फिनलैंड के बीच सहयोग बढ़ने की अपार संभावनाएं : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत और फिनलैंड के बीच सहयोग बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं।

मुर्मू ने फिनलैंड के अपने समकक्ष अलेक्जेंडर स्टब के साथ राष्ट्रपति भवन में एक बैठक में कहा कि फिनलैंड को भारत एक मूल्यवान और भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखता है, जिसके साथ संबंध आपसी विश्वास और साझा लोकतांत्रिक परंपराओं पर आधारित हैं।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि हाल के वर्षों में, भारत-फिनलैंड संबंध में नवाचार, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों, शिक्षा और आर्थिक सहयोग को प्रमुखता देते हुए एक गतिशील साझेदारी विकसित हुई है।

मुर्मू ने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि हाल ही में घोषित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता हमारे व्यापार और निवेश संबंधों को नई गति प्रदान करेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि फिनलैंड क्वांटम प्रौद्योगिकी से लेकर 6जी तक अत्याधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों में वैश्विक अग्रणी है और उन्होंने विकसित भारत के सफर में फिनिश कंपनियों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिनलैंड में कई भारतीय कंपनियां संचालित हो रही हैं और हजारों भारतीय, विशेषकर आईटी पेशेवर, फिनलैंड की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

सुखोई-30 विमान असम में हुआ लापता, वायुसेना ने खोज अभियान शुरू किया

गुवाहाटी/दीफू/भाषा। भारतीय वायुसेना का एक सुखोई-30 लड़ाकू विमान बृहस्पतिवार शाम असम के कार्बी आंगलोंग जिले के ऊपर उड़ान भरते समय रडार से ओझल हो गया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने एक बयान में कहा, ''वायुसेना के एक विमान के लापता होने की सूचना मिली है। विमान ने असम के जोरहाट वायुसेना अड्डे से उड़ान भरी थी और आखिरी बार शाम 7:42 बजे संपर्क में था।'' उन्होंने बताया कि लड़ाकू विमान की स्थिति का पता लगाने के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि पायलट के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है। इस बीच, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बोकाजन सब-डिविजन के चोकीहोला क्षेत्र के कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि विमान किसी वन क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया होगा।

रूस हमेशा भारत को कच्चा तेल देने के लिए तैयार : राजदूत अलीपोव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका देश भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए हमेशा तैयार रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उनका यह बयान आया है। वैश्विक तेल और गैस की कीमतों में उस समय उछाल आया है जब ईरान ने व्यावहारिक रूप से होर्मुज की खाड़ी को अवरुद्ध कर दिया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित यह संकरा समुद्री मार्ग दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) के परिवहन का प्रमुख रास्ता है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, जबकि प्राकृतिक गैस की करीब आधी आवश्यकता भी आयात से पूरी होती है। इनका बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर आता है।

ऐसे में पश्चिम एशिया में लंबे समय तक अस्थिरता बने रहने की स्थिति भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए नुकसानदेह मानी जा रही है, क्योंकि यह क्षेत्र देश की ऊर्जा सुरक्षा का प्रमुख स्रोत है।

सैमसन के अर्धशतक से भारत फाइनल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। संजू सैमसन के तूफानी अर्धशतक से गत चैंपियन भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में बृहस्पतिवार को यहां जैकब बेथेल के आक्रामक शतक के बावजूद इंग्लैंड को सात रन से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई।

भारत के 254 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम बेथेल (105 रन, 48 गेंद, सात छक्के, आठ चौके) के शतक और विल जैक्स (35 रन, 20 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 77 तथा सैम कुरेन (18) के साथ छठे विकेट की 50 रन की साझेदारी के बावजूद सात विकेट पर 246 रन ही बना सकी।

भारत की ओर से हार्दिक पंड्या ने 38 रन देकर दो विकेट चटकाए। बुमराह ने चार ओवर में सिर्फ 33 रन देकर एक विकेट हासिल किया जो निर्णायक साबित हुआ। वरुण चक्रवर्ती ने 64 रन लुटाकर एक विकेट चटकाया जो इस प्रारूप में भारत की ओर से सबसे महंगे स्पैल है।

भारत अब फाइनल में रविवार को न्यूजीलैंड से भिड़ेगा और टी20 विश्व का खिताब बचाने वाली पहली टीम बनकर इतिहास रचने की कोशिश करेगा।

सैमसन ने इससे पहले 15 रन के स्कोर पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए 42 गेंद में सात छक्कों और आठ चौकों से 89 रन की पारी खेलने के अलावा इशान किशन (39 रन, 18 गेंद, चार चौके दो छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 45 गेंद में 97 और शिवम दुबे (43 रन, 25 गेंद, चार छक्के, एक चौका) के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 गेंद में 43 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने सात विकेट पर 253 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास में नॉकआउट मुकाबलों का सर्वोच्च स्कोर है।

पंड्या (12 गेंद में 27 रन, तीन चौके, दो छक्के) और तिलक वर्मा (सात गेंद में 21 रन, तीन छक्के) ने अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। भारत की पारी में 19 छक्के लगे जो टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

हिंद महासागर में हमारा युद्धपोत डुबाने वाले अमेरिका को कड़ा जवाब देंगे : ईरानी राजदूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली ने बृहस्पतिवार को हिंद महासागर में अमेरिका द्वारा एक ईरानी नौसैनिक पोत को डुबाने के कृत्य की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया और वादा किया कि तेहरान इसका कड़ा जवाब देगा।

'पीटीआई वीडियो' से बात करते हुए फताली ने कहा कि ईरान के लड़ाकू युद्धक पोत 'देना' को डुबोए जाने का 'बहुत कड़ा' जवाब दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इस पोत पर कोई हथियार नहीं था, और शांति कार्यों में भाग लेने के बाद लौट रहा था। उन्होंने कहा, ''यह पोत बिना हथियारों के था और शांति कार्यों में भाग लेने के बाद लौट रहा था।

भारत ने खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त किया और विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने ईरानी राजदूत को नई दिल्ली की ओर से संवेदना संदेश दिया। इसके अलावा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत की, लेकिन बातचीत में क्या चर्चा हुई, यह तुरंत पता नहीं चल पाया है। मिसरी ने ईरानी दूतावास का दौरा किया और भारत सरकार की ओर से शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नव राजवंश

राजतंत्र के दोषों का,
अब भी चुभता है हृदय दंश।
डेमोक्रेसी में उदित हुए,
सत्तागामी नव राजवंश।
जो काबिल या नाकाबिल हैं,
पर हैं नेता के बीज अंश।
सत्ता पद पाने जो येनकेन,
करते रहते विध्वंश-ध्वंश।।

उत्साहवर्धन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में हम्पी युवा क्रिकेटर्स द्वारा हम्पी नगर स्थित चन्द्रशेखर आजाद खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा 'हंपी कप 2026' का आयोजन किया गया जिसमें 15 से भी ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत खेल मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

आध्यात्म और विज्ञान एक दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां मुनिश्री पुलकित कुमारजी के पावन सानिध्य में भुवनेश्वरी नगर हेब्बाल में नॉर्थ जोन तेरापंथ श्रावक समाज द्वारा वैज्ञानिक युग में आध्यात्म का महत्व विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि इसरो के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री डॉ किरण कुमार थे। डॉ किरण कुमार ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति से जुड़े रहना और प्रकृति की सूक्ष्म हलचल को समझना ही विज्ञान कहलाता है। विज्ञान का कार्य है कुछ नया प्राप्त करना। प्रकृति की प्रेरणा से ही मानव ने विकास किया है। डॉ किरण ने पांच ज्ञानेंद्रियों और पांच कर्मेंद्रियों के कार्यों को विस्तार से समझना ही विज्ञान बताया। उन्होंने मोबाइल, एंटीना एवं आधुनिक गैजेट्स के अनेक उदाहरणों द्वारा स्थूल से सूक्ष्मता तक कैसे पहुंचा जाता है तथा विज्ञान के गुप्त रहस्यों को मानव जीवन के साथ जोड़कर सरलता से समझाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा एंटीना की तरह अतिंद्रिय ज्ञान अध्यात्म योग से जुड़कर अधिक सक्रिय होता है। डॉ किरण ने अध्यात्म के संदर्भ में कहा अध्यात्म की खोज हजारों वर्षों पूर्व हो चुकी है उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए विज्ञान की खोज आज भी निरंतर चल रही है वह कभी बंद नहीं होने वाली है। ङ्गङ्गडॉ मुनिश्री पुलकित कुमार ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान बाहर की खोज करता है जबकि आध्यात्म की खोज भीतर से शुरू होती है।

बौद्धि क्षमता की एक लिमिट होती है पर आध्यात्मिकता अनलिमिटेड होती है। आध्यात्म और विज्ञान दोनों में ही पुरुषार्थ से व्यक्ति कुछ नया प्राप्त कर सकता है। डॉ. मुनिश्री ने विज्ञान और अध्यात्म को एक दूसरे का पूरक बताते हुए कहा, अगर सकारात्मकता से समझें तो विज्ञान और अध्यात्म एक दूसरे के विरोधी नहीं पूरक है विज्ञान की नई-नई खोजों ने आध्यात्मिकता के महत्व को उजागर किया है। मुनिश्री ने कहा, अनेक वैज्ञानिक रिसर्च ही आज के युवा वर्ग की अनगिनत धार्मिक क्रियाकलापों के संदर्भ में होने वाली जिज्ञासाओं को समाहित करने का कार्य किया है। कार्यक्रम का संचालन पंकज मेहता ने किया। आभार ज्ञापन नॉर्थ जोन तेरापंथ सभा के सहसंयोजक आशीष चौरडिया ने किया। मुख्य अतिथि डॉ किरण कुमार का साहित्य एवं जैन दुपट्टे से सम्मान किया गया।

मायुम का रंगोत्सव दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु द्वारा कनकपुरा में होली रंगोत्सव का आयोजन किया गया। कनकपुरा स्थित गारी रिजॉर्ट्स में 250 से अधिक सदस्यों एवं उनके परिवारों ने एक साथ मिलकर रंगों के इस पर्व को बड़े उत्साह के साथ मनाया। धुलंडी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह से ही पूरा वातावरण रंग, संगीत और उल्लास से सराबोर रहा। डीजे पर अलगअलग होली गीतों पर सदस्यों ने नृत्य किया। रेन डांस और स्विमिंग पूल पर लोगों ने जमकर होली खेली। कार्यक्रम संयोजक गौरव शर्मा व टीम ने मेहनत करते हुए सराहनीय कार्य किया। कार्यक्रम में मायुम बेंगलूरु के अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा सहित मंच के कई सदस्य उपस्थित थे।

तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कविता दो महीने में नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा करेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह दो महीने के भीतर एक नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा करेंगी। उन्होंने तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की यात्रा के दौरान यह घोषणा की। कविता, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव की बेटी हैं।

कविता ने पत्रकारों से कहा, भगवान बालाजी के आशीर्वाद से हम अगले दो महीनों में एक राजनीतिक दल की घोषणा करेंगे।

तिरुपति लड्डू विवाद पर उन्होंने कहा कि मिलावट की अफवाहों ने भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि भगवान बालाजी की पूजा न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी की जाती है, और उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि लड्डू को अत्यंत श्रद्धा और भक्ति की भावना के साथ तैयार किया जाए।

हाल ही में, दिल्ली की एक अदालत ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, कविता और 20 अन्य लोगों को आरोप मुक्त कर दिया और सीबीआई को फटकार लगाते हुए कहा कि उसे नीति में कोई व्यापक साजिश या आपराधिक इरादा नहीं मिला।

दिल्ली के रिठाला में आग लगने से 100 से अधिक झुग्गियां जलकर खाक, एक लड़की का शव बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के रिठाला इलाके में बृहस्पतिवार तड़के एक झुग्गी बस्ती में भीषण आग लगने से एक नाबालिग लड़की की मौत हो गई और 100 से अधिक झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आग लगने के बाद से लड़की लापता थी। बाद में दमकलकर्मियों ने उसका जला हुआ शव बरामद किया।

प्राधिकारियों को आग लगने की सूचना तड़के सवा चार बजे मिली। आग घनी आबादी वाली झुग्गियों में तेजी से फैल गई, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई और वे आग की लपटों से बचने के लिए अपनी झोपड़ियों से बाहर भागने लगे। निवासियों ने बताया कि इस झुग्गी बस्ती में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों से आए प्रवासी मजदूर रहते हैं और वे पास के कारखानों, निर्माण स्थलों और छोटे प्रतिष्ठानों में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने आग बुझाने का अभियान बड़े पैमाने पर शुरू किया और आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 18 से अधिक गाड़ियां तैनात कीं।

आग पर काबू पाने के बाद दमकलकर्मियों ने मलबे से 17 वर्षीय लड़की का जला हुआ शव बरामद किया। एक दमकल अधिकारी ने कहा, ''आग लगने की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग ने कई झुग्गियों को पहले ही अपनी चपेट में ले लिया था।'' अधिकारियों ने बताया कि झोपड़ियां एक-दूसरे के बहुत करीब बनी हुई थीं और उनमें से कई में प्लास्टिक की चादरें, लकड़ी के तख्ते और कपड़े जैसे अत्यधिक ज्वलनशील सामग्रियां थीं इसलिए आग तेजी से फैली। दमकलकर्मियों और स्थानीय पुलिस कर्मियों ने बचाव अभियान चलाया और सुबह लगभग साढ़े छह बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने कहा, ''आग 100 से अधिक झोपड़ियों और पास स्थित कागज रोल एवं गत्ते के गोदाम में फैल गई तथा कुछ आवासीय फ्लैट के दरवाजे और खिड़कियां भी आग की चपेट में आ गईं। इस दौरान 17 वर्षीय लड़की का झुलसा हुआ शव बरामद किया गया।

चावल निर्यातकों ने ईरान संकट से निपटने के लिए तुरंत राहत उपाय की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चावल निर्यातकों ने बृहस्पतिवार को ईरान पर अमेरिका और इजराइल द्वारा साझा हमले के बाद ईरान संकट से निपटने के लिए सरकार से तुरंत राहत के उपाय की मांग की है। जिसमें बंदरगाह से जुड़े प्रभार में छूट तथा भुगतान समायोजन की मांग भी शामिल है। उन्होंने बंदरगाह से जुड़े प्रभार (स्टोरेज/डेमरेज और दूसरे शुल्क) में छूट मांगी है, जहां जहाज रद्द होने की वजह से कार्गो वापस हो जाता है। ऐसे में पारगमन में कार्गो को वापस करने, राह बदलने करने की सुविधा के साथ दस्तावेजीकरण और भुगतान समायोजन के लिए सीमा शुल्क और रिजर्व बैंक की मदद की मांग की गई है।

इसके अलावा, उन्होंने सरकार से एक सरकारी परामर्श जारी करने का आग्रह किया है जिसमें इस रुकावट को एक अपरिहार्य स्थिति की घटना के रूप में मान्यता दी जाए ताकि गलत तरीके से जुर्माने को रोका जा सके और कोविड-काल की राहत की तरह ही अस्थायी कार्यशील पूंजी सीमा और ऋण विस्तार के ज़रिये तात्कालिक बैंकिंग मदद दी जाए। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ ने कहा कि ये कदम ज़रूरी हैं क्योंकि ईरान संकट और खास समुद्री रास्तों पर बढ़ती अस्थिरता के बाद निर्यातकों को खेप और लॉजिस्टिक्स में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसने कहा कि निर्यातकों को कंटेनर की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है और वे पश्चिम एशिया के लिए जहाजों के आने-जाने पर रोक/रद्द होने और लागत में तेज़ बढ़ोतरी की शिकायत कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मालवहन में लगभग 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि खाड़ी देशों के लिए युद्ध जोखिम प्रभार और बीमा प्रीमियम में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है। महासंघ कहा, ''बंकर इंधन की कीमतें भी बढ़ी हैं (सदस्यों ने बताया कि समुद्री जहाज ईंधन तेल लगभग 520 डॉलर से बढ़कर लगभग 700 डॉलर हो गया है), जिससे अनुबंध से मिलने वाली प्राप्तियों पर और असर पड़ा है। घरेलू बाजार में, पिछले 72 घंटों में बासमती की कीमतों में लगभग 7-10 प्रतिशत की कमी आई है, जिससे कार्यशील पूंजी का दबाव बढ़ गया है।''

प्रधानमंत्री समझौतावादी, देश की सामरिक स्वायत्तता का समर्पण किया : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध की पृष्ठभूमि में बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समझौतावादी हैं जिन्होंने भारत की सामरिक स्वायत्तता का समर्पण कर दिया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, विश्व एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुका है। समुद्री क्षेत्र में बड़ी चुनौतियां सामने खड़ी हैं। भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, हमारा 40 प्रतिशत से अधिक आयात होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए स्थिति और भी खराब है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत के डूबने से संघर्ष भारत की दहलीज तक पहुंच गया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में कमान एक स्थिर हाथ में रहने की आवश्यकता होती है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, इसके बजाय, भारत के पास एक समझौतावादी प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने हमारी सामरिक स्वायत्तता का समर्पण कर दिया है।

आंध्र सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर दंपति को 25,000 रु की सौगात देने पर कर रही विचार : नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार गिरती जन्म दर को बढ़ावा देने के लिए दूसरे बच्चे के जन्म पर दंपतियों को 25,000 रुपये की सौगात देने पर विचार कर रही है।

एन. चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य आंध्र प्रदेश की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को वर्तमान 1.5 से बढ़ाकर 2.1 करना है।

मुख्यमंत्री नायडू ने कहा, हम एक नए तरीके पर विचार कर रहे हैं। हम दूसरे या उसके बाद होने वाले बच्चे के लिए माता-पिता को प्रसव के समय ही 25,000 रुपये देंगे। यह एक बड़ा बदलाव होगा। अगर हम ऐसा कर पाते हैं, तो यह बहुत उपयोगी होगा।

ईरानी पोत पर अमेरिकी हमले को लेकर केंद्र सरकार की 'चुप्पी' गलतः सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने हिंद महासागर में अमेरिकी नौसेना द्वारा एक ईरानी पोत पर हमला किए जाने की घटना को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी को गलत बताया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में कोई रुख अपनाना चाहिए।

पायलट ने यहां मीडिया से कहा,''अमेरिका ने आक्रमण कर हमारे तटीय इलाके में एक पोत को मार गिराया है। मैं समझता हूं कि इस पर हमारी सरकार को और देश को कोई 'स्टैंड' लेना चाहिए।'' उन्होंने कहा,''मुझे लगता है, यह जो चुप्पी है वह गलत है। भारत ने हमेशा सही को सही और गलत को गलत कहा है। जहां तक इजराइल और फलस्तीन की बात है। वहां पर भी हमने हमेशा कहा है कि 'टू नेशन थ्योरी' होनी चाहिए। और चाहे ईरान हो, चाहे अफगानिस्तान हो, चाहे यूरोप हो, चाहे रूस हो... तमाम देशों के साथ भारत के पुराने द्विपक्षीय संबंध रहे है।'' कांग्रेस नेता ने कहा,''हमें अपनी कूटनीति, स्वहित और भारत का जो परंपरागत तरीके से निष्पक्षता का आचरण रहा है, उससे हटना नहीं चाहिए।' ईरानी नौसैनिक पोत 'आईरिस देना' के मामले में पायलट ने कहा कि भारत सरकार की 'चुप्पी' गलत है।

भारत की पहली साइकिलिंग लीग की मेजबानी करेगा अहमदाबाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय साइकिलिंग के लिए पहली बार इस साल नवंबर में एक फ्रेंचाइजी आधारित लीग की योजना बनाई जा रही है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इस पहल को देश में अब भी अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे इस खेल के लिए एक संभावित 'निर्णायक पल' बताया है।

आठ टीम वाली भारतीय साइकिलिंग लीग नवंबर के दूसरे हफ्ते में अहमदाबाद में होगी जो 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलने के बाद 2036 ओलंपिक की मेजबानी के अधिकार हासिल करने की कोशिश कर रहा है। मांडविया ने कहा, ''यह आयोजन भारतीय खेलों में एक अहम पल है। दुनिया की पहली फ्रेंचाइजी आधारित रोड साइकिलिंग लीग शुरू करके हम सिर्फ रेस का आयोजन नहीं कर रहे हैं बल्कि एक पेशेवर पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं जो प्रतिभा को बढ़ावा देगा, दुनिया का ध्यान खींचेगा और एक फिट और अतुल्य भारत के हमारे विजन के अनुसार होगा।'' उन्होंने कहा, ''चाहे वह पुणे ग्रैंड टूर हो, अहमदाबाद में यह लीग हो, या हर हफ्ते देश में अलग-अलग जगहों पर होने वाली संडे ऑन साइकिल। आने वाले दिनों में यह सब भारत में साइकिलिंग को एक खेल के तौर पर स्थापित करेगा।''

हर फ्रैंचाइजी में 10 खिलाड़ी होंगे जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय राइडर के साथ-साथ दो जूनियर भारतीय साइकिलिस्ट भी होंगे। जूनियर खिलाड़ियों को शामिल करने का मकसद उभरती हुई घरेलू प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना है।

प्रतियोगिता में तीन चरण होंगे जो ग्रैंड फिनाले तक पहुंचेगा। इसमें क्राइटेरियम रेस, टीम टाइम ट्रायल और कई प्रतिभागियों वाली रेस जैसे अलग-अलग प्रारूप की रेस होंगी। भारतीय साइकिलिंग महासंघ के अध्यक्ष मनिंदर पाल सिंह ने कहा, ''लीग नवंबर के आखिर तक चलेगी। हमारे प्रमोटर न्यू होराइजन अलायंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ बातचीत के बाद बाकी तरीकों और प्रतियोगिता के ढांचे पर काम किया जाएगा।''

चीन की विकास दर पर गिरावट का दबाव, पर भारत के लिए जश्न लायक कुछ नहीं: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कि चीन की आर्थिक विकास दर पर स्पष्ट रूप से गिरावट का दबाव है, लेकिन भारत के लिए जश्न मनाने लायक कुछ भी नहीं है क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था बहुत बड़ी है और भारत के साथ व्यापार घाटा बढ़ रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चीन ने 2026-30 के लिए अपना सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि लक्ष्य 4.5 से 5% तक रहने की घोषणा की है, तो बीते लगभग चार दशकों में पहली बार यह 5% से नीचे है। रमेश ने पोस्ट किया, ''चीन अब तकनीकी नवाचार पर आधारित विकास की 'गुणवत्ता' पर जोर दे रहा है। हालांकि, यहां जश्न की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि चीनी अर्थव्यवस्था भारत की तुलना में लगभग साढ़े चार से पांच गुना बड़ी है।'' चीन की जीडीपी वृद्धि पर स्पष्ट रूप से गिरावट का दबाव है, साथ ही चीन का व्यापार अधिशेष रिकॉर्ड स्तर पर है जो दर्शाता है निर्यात उसकी आर्थिक रणनीति का प्रमुख स्तंभ बना हुआ है।

ग्रामीण महिलाओं के रोजमर्रा के लेनदेन में यूपीआई का इस्तेमाल बढ़ाः रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों की महिलाएं रोजमर्रा के लेनदेन के लिए डिजिटल भुगतान का तेजी से इस्तेमाल करने लगी हैं और अब करीब 38 प्रतिशत महिलाएं सप्ताह में कम-से-कम एक बार यूपीआई का इस्तेमाल कर रही हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

डिजिटल और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी 'पेनियरबाई' की रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाएं दैनिक जरूरत वाले सामान की खरीद, बिजली-पानी बिलों के भुगतान और मोबाइल रिचार्ज जैसे खर्चों के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली यूपीआई का इस्तेमाल कर रही हैं। यह सर्वेक्षण रिपोर्ट देश के ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में डिजिटल एवं वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाली 10,000 महिला एजेंट पर आधारित है। इससे पता चलता है कि 85 प्रतिशत महिलाएं अपने परिवार की मुख्य बचतकर्ता हैं, जो वित्तीय अनुशासन में बढ़ोतरी को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 44 प्रतिशत महिलाएं छोटे-छोटे निवेश (एसआईपी) के जरिये सोने से जुड़े बचत उत्पादों में निवेश करने की इच्छुक हैं। हालांकि, इसके लिए उनके स्थानीय सेवा केंद्रों पर मार्गदर्शन उपलब्ध होना जरूरी है। इसके अलावा 98 प्रतिशत महिलाएं छोटी राशि वाले जमा उत्पादों, जैसे सावधि जमा (एफडी) या आवर्ती जमा (आरडी) के जरिये बचत करने को तैयार हैं। इन निवेश उत्पादों में आसान निकासी की सुविधा होने पर महिलाएं इसे आसानी से अपनाने को तैयार हैं। हालांकि, म्यूचुअल फंड योजनाओं को लेकर जागरूकता अभी भी सीमित है और 10 प्रतिशत से भी कम महिलाएं इसके बारे में जानती हैं।

पेनियरबाई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आनंद कुमार बजाज ने कहा, ''अब अधिक महिलाएं स्वतंत्र रूप से अपने बैंक खाते संचालित कर रही हैं, नियमित बचत कर रही हैं और सोना-आधारित बचत, बीमा तथा औपचारिक ऋण जैसे वित्तीय साधनों के प्रति सहज हो रही हैं।'' रिपोर्ट कहती है कि नकदी की निकासी अब भी महिलाओं के लिए सबसे अहम सेवा बनी हुई है।

करीब 54 प्रतिशत महिलाएं अंगुलियों के निशान या चेहरे की पहचान जैसे बायोमेट्रिक सत्यापन के जरिये पैसे निकालना पसंद करती हैं। आमतौर पर एक बार में 1,000 से लेकर 2,500 रुपये की निकासी सबसे अधिक देखी गई।

कैस्परस्काई ने 2025 में भारत में 4.7 करोड़ से अधिक साइबर खतरों को रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

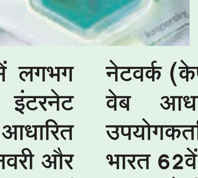

नई दिल्ली/भाषा। साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्काई का दावा है कि उसने साल 2025 में भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को 4.7 करोड़ से अधिक वेब आधारित खतरों से बचाया है।

कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 24.7 प्रतिशत इंटरनेट उपयोगकर्ता इन खतरों की चपेट में आए। कैस्परस्काई ने बयान में कहा कि भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को औसतन प्रतिदिन लगभग 1,30,209 वेब खतरों का सामना करना पड़ा। कंपनी ने कहा, ''भारत में लगभग एक-चौथाई (24.7 प्रतिशत) इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को 2025 में वेब आधारित खतरों का सामना करना पड़ा। जनवरी और दिसंबर, 2025 के बीच कैस्परस्काई उत्पादों ने देश भर में उपयोगकर्ताओं के कंप्यूटर पर 4,75,26,422 इंटरनेट आधारित साइबर खतरों का पता लगाया और उन्हें रोका।''

कैस्परस्काई सिक्योरिटी नेटवर्क (केएसएन) के आंकड़ों के अनुसार, वेब आधारित खतरों से प्रभावित उपयोगकर्ताओं के मामले में वैश्विक स्तर पर भारत 62वें स्थान पर रहा। आंकड़ों से पता चलता है कि ब्राउजर और उनके 'प्लग-इन्स' की खामियों का फायदा उठाकर किए जाने वाले हमले ऑनलाइन खतरों का प्राथमिक तरीका बने हुए हैं। कैस्परस्काई ने कहा, ''फाइल रहित मैलवेयर 2025 में भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने वाले सबसे खतरनाक हमलों में शामिल रहा, क्योंकि यह कंप्यूटर की मेमोरी में काम करता है और संक्रमित सिस्टम पर बहुत कम निशान छोड़ता है।'' वैश्विक स्तर पर 2025 में दुर्भावनापूर्ण ईमेल हमलों में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिंदी थोपने के लिए सारी हदें पार कर रही है केंद्र सरकार : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने तिरुचिरापल्ली रेलवे मंडल कार्यालय के प्रवेश द्वार का नाम हिंदी में रखे जाने को लेकर बुधवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर हिंदी थोपने के लिए ''सारी हदें पार करने'' का आरोप लगाया। रेलवे मंडल कार्यालय (तिरुचिरापल्ली) के प्रवेश द्वार को हाल में 'कर्तव्य द्वार' नाम दिया गया, जिससे राज्य में भाषा थोपने को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

प्रवेश द्वार का नाम हिंदी में रखे जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने ''एक भाषा, तीन लिपियों'' को बढ़ावा देने के बहाने तमिल और अंग्रेजी में हिंदी नाम लिखने की आड़ में हिंदी थोपना शुरू कर दिया है। स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उन्होंने रेलवे के तिरुचिरापल्ली मंडल कार्यालय के प्रवेश द्वार पर 'कर्तव्य द्वार' लिखा है। तमिल और अंग्रेजी नामों पर हिंदी थोपने का प्रयास छोड़ दिया जाना चाहिए और उचित तमिल नामों को तुरंत शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को तमिलों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया कि केंद्र ने पहले ही भविष्य निधि कार्यालयों (ईपीएफओ) के लिए भविष्य निधि भवन' नाम रख दिया और नए आपराधिक कानूनों के लिए अंग्रेजी लिपि में भी संस्कृत नाम रखा है। उन्होंने कहा, ''केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय का नाम 'जल शक्ति' हो गया है और महात्मा गांधी के नाम वाली 100 दिनों की रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदल दिया गया है। कड़वाहट और अहंकार बढ़ रहा है।''

द्रमुक प्रमुख स्टालिन ने कहा, हमें उन लोगों को उचित सबक सिखाने की जरूरत है जो तमिलों के आत्मसम्मान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। तमिल लिपि में हिंदी शब्दों का विरोध बढ़ने पर अन्नाद्रमुक महासचिव के. पलानीस्वामी ने केंद्र सरकार से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने और एक तमिल नाम देने का आग्रह किया। पलानीस्वामी ने 'एक्स' पर कहा, तमिलनाडु में केंद्र सरकार के संस्थानों के नाम तमिल, अंग्रेजी और हिंदी में उल्लेखित हैं, लेकिन रेलवे मंडल कार्यालय, तिरुचिरापल्ली के प्रवेश द्वार पर तमिल लिपि का इस्तेमाल बिना उचित अनुवाद के हिंदी शब्दों को लिखने के लिए किया गया।''

उन्होंने कहा कि खबरों से संकेत मिलता है कि रेलवे अधिकारी अब आपत्तियों पर गौर करते हुए हिंदी नाम हटाने पर सहमत हो गए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, तमिलनाडु के लोग तमिल भाषा के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के लगाव से अच्छी तरह वाकिफ हैं। जब केंद्र सरकार लगातार तमिल भाषा को सम्मान दे रही है, तो ऐसी घटनाओं से परहेज करना चाहिए।

रास चुनाव : द्रमुक, कांग्रेस के उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के उम्मीदवार तिरुचि शिवा और जे कॉन्स्टेंटाइन रविंद्रन ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके अलावा, कांग्रेस उम्मीदवार एम क्रिस्टोफर तिलक और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) के कोषाध्यक्ष एल के. सुधीश ने भी यहां सचिवालय में निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपने नामांकन पत्र जमा किए।

द्रमुक के सहयोगी दलों में कांग्रेस और प्रेमलता विजयकांत के नेतृत्व वाली डीएमडीके शामिल हैं। द्रमुक ने अपनी पार्टी के लिए आवंटित चार राज्यसभा सीट में से एक-एक सीट कांग्रेस और डीएमडीके को आवंटित की। डीएमडीके हाल में द्रमुक के गठबंधन में शामिल हुई है। द्रमुक के अध्यक्ष मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को सभी चार उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल किये जाने के समय उपस्थित थे। राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव 16 मार्च को होंगे।

राज्य विधानसभा में द्रमुक और कांग्रेस के संख्याबल के आधार पर चारों उम्मीदवारों की जीत तय मानी जा रही है। शिवा जहां चार बार राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं, वहीं द्रमुक के प्रवक्ता कॉन्स्टेंटाइन, तिलक और सुधीश पहली बार निर्वाचित होंगे। वर्तमान राज्यसभा चुनाव डीएमडीके के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उसे एक सांसद मिलेगा। पार्टी लंबे समय से डीएमडीके के संस्थापक 'कैप्टन' विजयकांत के बहनोई सुधीश को संसद भेजना चाहती है।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के साथ लंबी बातचीत के बाद और सीट आवंटन में देरी को लेकर उसके प्रमुख एडप्पडी के. पलानीस्वामी को दोषी ठहराते हुए डीएमडीके की महासचिव प्रेमलता ने आखिरकार द्रमुक अध्यक्ष से मुलाकात की और 19 फरवरी को द्रमुक के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन में शामिल हो गईं। अन्नाद्रमुक और उसकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), पट्टाली मक्कल काची (पीएमके-अंबुमणि) गुट को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल करने के लिए उत्साहित थी और चार मार्च को पलानीस्वामी ने अंबुमणि के लिए राज्यसभा सीट की घोषणा की।

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए द्रमुक ने कांग्रेस को 28 सीट दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और कांग्रेस ने तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीट-बंटवारे को लेकर हुए समझौते पर बुधवार को मुहर लगा दी और इसके साथ ही, उनके गठबंधन को लेकर लगाई जा रही अटकलों पर विराम लग गया। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने राज्य में सत्ता साझा करने की मांग रखी थी, जिसके बाद गठबंधन में मतभेद पैदा हो गए थे।

द्रमुक ने बातचीत के बाद कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 28 सीट और 16 मार्च को होने वाले द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव के लिए एक सीट आवंटित की। इस समझौते से पहले कांग्रेस और अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के बीच चुनावी गठबंधन पर जोर दिया जा रहा था, जबकि टीवीके ने कांग्रेस से अपने संबंध बढ़ाने के संकेत दिए थे। द्रमुक के अध्यक्ष व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुथंगाई ने द्रमुक मुख्यालय अन्ना अरिवलायम में औपचारिक रूप से यह सीट-बंटवारा समझौता किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर, द्रमुक के नेता टी.आर. बालू और कनिमोई भी बैठक में शामिल थे। सेल्वापेरुथंगाई ने सीट-बंटवारे के समझौते पर संतोष और प्रसन्नता व्यक्त की।

कांग्रेस ने अधिक सीट की मांग की थी, जिसको लेकर गठबंधन में तनाव था। हालांकि, मंगलवार को सेल्वापेरुथंगाई ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के साथ अन्ना अरिवलायम में द्रमुक के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत की। पत्रकारों के साथ संक्षिप्त बातचीत में सेल्वापेरुथंगाई ने कहा, आज, कांग्रेस और द्रमुक ने सीट-बंटवारा समझौते को अंतिम रूप दिया। हमें 28 विधानसभा सीट और 1 राज्यसभा सीट आवंटित की गई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या समझौते पर मुहर लगाने में कोई देरी हुई, तो उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है।

उन्होंने कहा, एआईसीसी और द्रमुक ने सही समय पर सही निर्णय लिया है। मार्गदर्शन के आधार पर हमने समझौते पर हस्ताक्षर किए। हम बहुत प्रसन्न और संतुष्ट हैं। सेल्वापेरुथंगाई और चोडणकर सत्ता साझा करने से जुड़े सवालों से बचते हुए दिखे। हालांकि, हाल के दिनों में दोनों दलों के नेताओं ने सौहार्दपूर्ण संबंधों का प्रदर्शन किया था। इससे पहले कांग्रेस को अधिक सीट देने पर पार्टी नेताओं के जोर और विरुधुनगर के सांसद मणिकम टैगोर समेत कुछ नेताओं की सत्ता साझा करने की मांग ने द्रमुक को असहज कर दिया था। द्रमुक ने स्पष्ट कर दिया था कि गठबंधन सहयोगियों को मंत्रिमंडल में शामिल करना संभव नहीं है।

सत्ता साझा करने को लेकर बहस के दौरान कांग्रेस और द्रमुक के कुछ नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। हालांकि, इस मामले पर द्रमुक अपने रुख पर कायम रही। एक सवाल के जवाब में, तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी आलाकमान बहुत जल्द राज्यसभा उम्मीदवार की घोषणा करेगा। पुडुचेरी में सीट-बंटवारे पर बातचीत के बारे में चोडणकर ने कहा कि प्रारंभिक बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा, हम बस आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। द्रमुक तमिलनाडु में 21 दलों के सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) का नेतृत्व कर रही है, जिसमें कांग्रेस, वामपंथी दल, डीएमडीके और एमडीएमके शामिल हैं। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव अप्रैल में होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्यव्यापी विकास अभियान की शुरुआत करते हुए कई हजार करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में एमआरएफ द्वारा 5,300 करोड़ रुपये का निवेश और जहाज निर्माण तथा कृषि-वानिकी के लिए नयी नीतियां शामिल हैं।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि औद्योगिक क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए शिवगंगा जिले के एसआईपीसीओटी-इलुप्पैकुडी औद्योगिक पार्क में अत्याधुनिक टायर निर्माण संयंत्र के लिए एमआरएफ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

इस परियोजना में अगले 12 साल में 5,300 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और इससे 1,000 लोगों के लिए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु जहाज निर्माण नीति 2026 की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य राज्य को सतत जहाज निर्माण, मरम्मत और अनुसंधान में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाना है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और अन्य वरिष्ठ मंत्री भी उपस्थित थे।

राज्यसभा चुनाव : अन्नाद्रमुक के थंबीदुरई और पीएमके के अंबुमणि ने नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के मौजूदा सांसद एम थंबीदुरई और पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के नेता अंबुमणि रामदॉस ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। आगामी 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन आज सचिवालय में नामांकन पत्र दाखिल करते समय वरिष्ठ सांसद थंबीदुरई के साथ पार्टी के महासचिव एडप्पडी के. पलानीस्वामी और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। नामांकन दाखिल करने के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि के साथ के. पी. मुनुसामी समेत अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

राज्य में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा पीएमके (अंबुमणि गुट) को अन्नाद्रमुक ने चार मार्च को यह सीट आवंटित की थी। तमिलनाडु विधानसभा में अन्नाद्रमुक की संख्या बल के आधार पर थंबीदुरई और अंबुमणि दोनों का राज्यसभा सदस्य बनना लगभग तय माना जा रहा है। तमिलनाडु की छह सीट में से सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधानसभा में अपनी वर्तमान संख्या के आधार पर चार सीट जीत सकती है जबकि अन्नाद्रमुक दो सीट जीत सकती है।

न्यायमूर्ति धर्माधिकारी मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए

चेन्नई/नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी को बृहस्पतिवार को मद्रास उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वह अब तक केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।

पिछले महीने उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने इस पद के लिए उनके नाम की सिफारिश की थी। उन्होंने न्यायमूर्ति मनींद्र मोहन श्रीवास्तव का स्थान लिया है, जो 62 वर्ष की आयु पूरी होने पर बृहस्पतिवार शाम को सेवानिवृत्त हो गये।

होटल को किराए पर दी गई अभिनेता रजनीकांत की इमारत को कर योग्य सेवाओं से छूट दी गई : न्यायाधिकरण

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण ने बुधवार को अभिनेता रजनीकांत के खिलाफ दायर सेवा कर के अनुरोध को खारिज कर दिया। न्यायाधिकरण ने फैसला सुनाया कि किसी इमारत को होटल के रूप में किराए पर देना कर योग्य सेवाओं के दायरे से विशेष रूप से बाहर रखा गया है।

यह मामला 'वसंत भवन होटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' को राघवेंद्र मंडपम नाम की बहुमंजिला इमारत के पट्टे को लेकर हुए विवाद से संबंधित था। राजस्व अधिकारियों ने जून 2007 से जून 2012 की अवधि के लिए लगभग 56.8 लाख रुपये के सेवा कर की मांग की थी। अधिकारियों ने दलील दी थी कि संपत्ति का उपयोग रेस्तरां, बैंक्वेट हॉल और हेल्थ क्लब सहित व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा था। तकनीकी सदस्य एम. अजीत कुमार और न्यायिक सदस्य अजयन टी. वी. की खंडपीठ ने पाया कि रेस्तरां और सम्मेलन कक्ष जैसी सुविधाओं की उपस्थिति से संपत्ति के उपयोग का विभाजन नहीं होता। न्यायाधिकरण ने कहा कि ये सुविधाएं होटल संचालन की अभिन्न व आकस्मिक क्रिया हैं और इनका उद्देश्य मेहमानों की आवश्यकताओं को पूरा करना है। राजस्व विभाग ने दलील दी थी कि वित्त अधिनियम की व्याख्या दो के तहत आंशिक रूप से व्यवसाय और आंशिक रूप से अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली संपत्तियों को वाणिज्यिक संपत्ति माना जाना चाहिए। न्यायाधिकरण ने हालांकि इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि परिसर होटल द्वारा उपयोग किए जाने वाले भवन के रूप में ही रहता है, जो अधिनियम की धारा 65(105) में दिए विशिष्ट अपवाद के अंतर्गत आता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने हरित बुनियादी ढांचा बॉन्ड के जरिये 10,000 करोड़ रुपये जुटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने दीर्घकालिक हरित बुनियादी ढांचा बॉन्ड जारी कर 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इसके साथ बीओबी घरेलू स्तर पर इस तरह का बॉन्ड जारी करने वाला देश का पहला बैंक बन गया है। बीओबी ने बयान में कहा कि इस बॉन्ड को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और कुल 16,415 करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुईं। यह 5,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड के आकार से तीन गुना से अधिक है।

बैंक ने बताया कि सात वर्षीय बॉन्ड को एनएसई के इलेक्ट्रॉनिक ऋण बोली मंच पर 5,000 करोड़ रुपये के आधार बॉन्ड और 5,000 करोड़ रुपये के ग्रीन शू यानी अधिक बोली आने पर उसे रखने के विकल्प के साथ पेश किया गया था। बीओबी ने कहा कि मौजूदा बाजार अस्थिरता के बावजूद, बैंक ने 7.10 प्रतिशत ब्याज के साथ यह बोली हासिल की है, जो निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। बैंक हरित बुनियादी ढांचा बॉन्ड से प्राप्त राशि को बीओबी के हरित वित्तपोषण रूपरेखा और लागू नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप पात्र हरित परियोजनाओं में लगाएगा। इससे नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण संभव हो सकेगा।

श्रीलंका तट के पास ईरानी युद्धपोत डूबने के बाद भारतीय नौसेना खोज अभियान में शामिल हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नईदिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागे गए टॉरपीडो के लगने से श्रीलंका तट के पास डूबे ईरानी युद्धपोत 'आईरिस देना' से संकटकालीन संदेश मिलने के बाद वह खोज और बचाव अभियान में शामिल हो गई। ईरानी युद्धपोत भारत द्वारा आयोजित मिलन बहुपक्षीय नौसैन्य अभ्यास में भाग लेने के बाद स्वदेश लौट रहा था। श्रीलंकाई अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम 87 ईरानी नाविक मारे गए।

भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा कि उसने श्रीलंका के नेतृत्व में चलाए जा रहे बचाव अभियान में सहयोग करने के लिए बुधवार सुबह 10 बजे लंबी दूरी के एक समुद्री गश्ती विमान के साथ खोज और बचाव अभियान तुरंत शुरू किया। बयान के अनुसार, आसमान से गिराए जा सकने वाले जीवनरक्षक राफ्ट से लैस एक अन्य विमान को भी तत्काल तैनाती के लिए तैयार रखा गया था। आसपास ही तैनात आईएनएस तरंगिनी को बचाव कार्य में सहायता के लिए भेजा गया और वह शाम 4 बजे तक खोज क्षेत्र में पहुंच गई। इसमें कहा गया है, उस समय तक श्रीलंका नौसेना और अन्य एजेंसियों द्वारा खोज और बचाव कार्य शुरू किया जा चुका था।

भारतीय नौसेना ने बताया कि श्रीलंकाई नौसेना द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बुधवार तड़के कोलंबो स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) में आईरिस देना' नामक जहाज से संकटकालीन सूचना प्राप्त हुई। नौसेना ने बताया कि ईरानी जहाज गॉल से 20 समुद्री मील पश्चिम में श्रीलंका के अधिकार क्षेत्र वाले इलाके में था। नौसेना ने कहा, सूचना मिलते ही भारतीय नौसेना ने तुरंत बचाव और राहत कार्य शुरू कर दिया। सुबह 10:00 बजे लंबी दूरी के एक समुद्री गश्ती विमान को भेजकर श्रीलंका के नेतृत्व में जारी रहे खोज अभियान में सहायता प्रदान की गई।

नौसेना ने बताया कि एक अन्य भारतीय नौसैन्य जहाज आईएनएस इक्षक भी खोज अभियान में सहायता के लिए कोच्चि से रवाना हुआ और लापता कर्मियों की तलाश के लिए क्षेत्र में मौजूद है। नौसेना ने कहा, ''श्रीलंका के साथ खोज और बचाव प्रयासों में समन्वय जारी है।''

साउथ इंडियन बैंक, स्मॉलकेस ने म्यूचुअल फंड निवेश पर कर्ज देने के लिए की साझेदारी

चेन्नई/नई दिल्ली। साउथ इंडियन बैंक (एसआईबी) ने म्यूचुअल फंड के बदले एसआईबी डिजिटल कर्ज के माध्यम से सुरक्षित ऋण तक पहुंच बढ़ाने के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी स्मॉलकेस के साथ बृहस्पतिवार को साझेदारी की घोषणा की। बैंक ने बयान में कहा कि उसने स्मॉलकेस के प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे से समर्थित अपनी डिजिटल रूप से एकीकृत म्यूचुअल फंड ऋण (एलएएमएफ) योजना की शुरुआत की है। इस साझेदारी के तहत नियामकीय अनुपालन के साथ एसआईबी अपने मौजूदा ग्राहकों और ऋण सेवा प्रदाता (एलएसपी) नेटवर्क के माध्यम से डिजिटल संपत्ति मंचों के ग्राहकों को 9.99 प्रतिशत सालाना ब्याज पर म्यूचुअल फंड निवेश के एवज में सुरक्षित ऋण प्रदान कर सकेगा।

इस सुविधा से साउथ इंडियन बैंक के ग्राहक दीर्घकालिक म्यूचुअल फंड निवेश को भुनाए बिना नकदी प्राप्त कर सकेंगे। स्मॉलकेस की प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, एसआईबी ने एपीआई (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) आधारित एकीकरण विकसित किया है जो उपयोगकर्ता के लिए म्यूचुअल फंड यूनिट को गिरवी रखने, वितरण और कर्ज जारी करने सहित एक संपूर्ण डिजिटल व्यवस्था को सक्षम बनाता है। साउथ इंडियन बैंक के वरिष्ठ महाप्रबंधक और मुख्य सूचना अधिकारी सोनी ए ने कहा, जिम्मेदार और पारदर्शी ऋण समाधान तक पहुंच बढ़ाना हमारी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। स्मॉलकेस के साथ हमारी साझेदारी हमें म्यूचुअल फंड पर प्रतिभूतियों के बदले ऋण की पेशकश करने में सक्षम बनाती है। इससे निवेशकों के लिए ऋण अधिक सुलभ होगा। उन्होंने कहा, ''हम आने वाले समय में डीमैट प्रतिभूतियों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों तक इसका विस्तार करने के लिए उत्सुक हैं...।''

अलप्पुझा में मंदिर उत्सव के दौरान अनियंत्रित हुआ हाथी, महावत घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलप्पुझा। जिले में नूरानाड के पास एक मंदिर में उत्सव के लिए लाए गए तीन हाथियों में से एक पिछली रात हिंसक हो गया, जिससे उसका महावत घायल हो गया और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

बाद में वन्यजीव अधिकारियों ने उस हाथी को बेहोश कर सुबह वहां से हटा दिया। नूरानाड थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महावत का फिलहाल कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में इलाज किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि बुधवार रात आठ बजकर 30 मिनट से नौ बजे के बीच मंदिर के उत्सव के लिए हाथी को तिरुमनीमंगलम महादेव मंदिर ले जाते समय यह घटना घटी। उन्होंने बताया कि हाथी अचानक हिंसक हो गया और उसने अपने महावत को फेंक दिया, जिससे वहां दहशत फैल गई।

इसके बाद वह हाथी इधर-उधर दौड़ता रहा और सड़क के किनारे खड़े वाहनों को पलटने लगा, जिससे कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारी ने बताया कि कोई शिकायत प्राप्त नहीं होने के कारण फिलहाल इस घटना के संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

भजनलाल शर्मा ने आमजन के साथ मनायी होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को आमजन के साथ होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। मुख्यमंत्री निवास पर हुए होली महोत्सव में प्रदेशभर से हजारों की संख्या में आए लोगों ने फूलों और प्राकृतिक रंगों के साथ यह त्योहार मनाया। शर्मा ने सपत्नीक आमजन को गुलाल लगाया और फूलों की वर्षा कर पूरी आत्मीयता के साथ सभी का अभिनन्दन किया।

होली के पावन पर्व पर प्रदेशभर की संस्कृति एक छत के नीचे नजर आई, जब ब्रज से लेकर शेखावाटी तक की होली के विभिन्न रूप देखने को मिले। ब्रज से आए भारतीय कला संस्थान के कलाकारों एवं भजन मंडली ने गायन और नृत्य के साथ समां बांधा। वहीं, शेखावाटी के फतेहपुर की गो वत्स फाग मंडली के कलाकारों ने चंग के साथ धमाल मचाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी कलाकारों के बीच जाकर फाल्गुन के गीतों में साथ निभाया।

बच्चे हों, बूढ़े हों, महिला हों या जवान सभी में मुख्यमंत्री के साथ होली खेलने को लेकर अलग ही उत्साह नजर आया। किसी ने मुख्यमंत्री को गुलाल लगाने के साथ साफा और दुपट्टा पहनाया, तो किसी ने अपने हाथों से बनी पिचकारी एवं गुलाल गोटा भेंट किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों के इस त्योहार पर सभी को कटुता भुलाकर खुशियों के साथ जीवन बिताने का संकल्प लेना चाहिए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक कुलदीप धनखड़, गोपाल शर्मा सहित अन्य सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं जैसलमेर से धौलपुर और हनुमानगढ़ से बांसवाड़ा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नीतीश के फैसले पर पायलट ने कहा : यह जनता को धोखे में रख कर किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा चुनाव लड़ने की घोषणा पर कटाक्ष करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह जनता को धोखे में रख कर किया गया है। पायलट ने कहा कि नीतीश कुमार ने अगर यह घोषणा बिहार विधानसभा चुनाव से पहले की होती, तो वहां परिणाम कुछ और आते। कांग्रेस नेता ने यहां मीडिया से कहा, जो कुछ भी हो रहा है... यह जनता को धोखे में रख कर किया गया है। अगर आप (नीतीश) छह महीने पहले बोल देते कि मुझे राज्यसभा में जाना है तो हो सकता है कि बिहार चुनाव के परिणाम कुछ और आते। उल्लेखनीय है कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।

पायलट ने कहा, आपने (नीतीश कुमार ने) अपने चेहरे पर चुनाव लड़ा, वोट लिए, जनता ने आपको चुनकर भेजा। अब आप 'हट' रहे हैं... किसके दबाव में कर रहे हैं? अपनी इच्छा से कर रहे हैं या मन मारकर कर रहे हैं? इनका कुछ पता भी नहीं। कांग्रेस नेता ने कहा कि वैसे भी नीतीश कुमार का बहुत बार मन बदला है। उन्होंने कहा कभी इस पाले में, कभी उस पाले में...। अब वह दिल्ली आ रहे हैं। बिहार में क्या होगा? क्या दुबारा भाजपा वहां उन पर दबाव बनाकर सत्ता हासिल करेगी? मैं नहीं कह सकता। ईरानी नौसैनिक पोत 'आईरिस देना' के मामले में पायलट ने कहा भारत सरकार की 'चुप्पी' गलत है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस पोत को भारत के इतने पास ध्वस्त किया गया है कि वह हमारे सैन्य अभियान में शामिल होने के लिए आया था। तो कहीं न कहीं हम लोगों को खड़े होकर बोलना पड़ेगा कि क्या सही है क्या गलत है। लेकिन लगातार विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की जो चुप्पी है उसको दुनिया देख रही है। यह हमारे देश के हित के लिए सही नहीं है।

शोक सभा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को कोटपूतली-बहरोड़ की माढ़ण तहसील के ग्राम काठूवास पहुंचकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. चलती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

सरकारी भवनों की शिलापट्टिकाओं पर जन प्रतिनिधियों का ही नाम लिखे जाने का नियम : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सरकारी भवनों की शिलापट्टिकाओं पर जन प्रतिनिधियों का ही नाम लिखे जाने का नियम है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसका उल्लंघन होने पर जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने प्रश्नकाल के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि केकड़ी जिला अस्पताल में मातृ एवं शिशु चिकित्सा इकाई का काम लगभग पूरा हो गया है तथा यह उद्घाटन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पूर्व में इस इकाई के भवन निर्माण का काम पूरा हुए बिना ही उद्घाटन किये जाने तथा शिलापट्टिका पर नियमविरुद्ध नाम लिखे जाने की जांच कराई जाएगी।

इसके साथ ही राज्य में अन्य चिकित्सा संस्थानों के भवनों पर भी नियम विरुद्ध लगाए गए शिलालेखों को हटाया जाएगा। विधायक शत्रुघ्न गौतम के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि नियमानुसार सरकारी भवनों की शिलापट्टिकाओं पर चुने गए सांसद से लेकर सरपंच जैसे जन प्रतिनिधियों का ही नाम होना चाहिये। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसका उल्लंघन होने पर जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा 30 सितंबर, 2023 को आचार संहिता लगने से मात्र तीन दिन पहले आनन फानन में केकड़ी जिला अस्पताल की मातृ एवं शिशु चिकित्सा इकाई के अधूरे बने भवन का उद्घाटन कर दिया गया।

साथ ही नाम पट्टिका पर भी चुने हुए जनप्रतिनिधियों के अतिरिक्त अन्य नाम अंकित कर दिये गए। चिकित्सा मंत्री ने बताया कि उद्घाटन के लिए विभाग द्वारा अनुमति भी नहीं ली गई थी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस संबंध में व्यवस्था देते हुए कहा कि सभी सरकारी भवनों के उद्घाटन के समय शिलालेखों पर चुने गए जनप्रतिनिधियों का ही नाम लिखा जाना चाहिये, चाहे वह किसी भी पार्टी से संबंधित हों।

राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है, जिससे लोगों को अभी से तेज गर्मी का अहसास होने लगा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार इस समय राज्य के अधिकांश भागों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से चार से आठ डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज किया जा रहा है। इसने कहा कि बृहस्पतिवार सुबह तक पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज किया गया जो सामान्य से 6.3 डिग्री अधिक है।

केंद्र के अनुसार वर्तमान में गुजरात और उससे सटे अरब सागर क्षेत्र के ऊपर एक प्रतिचक्रवाती तंत्र बना हुआ है जिसके प्रभाव से आगामी एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने तथा तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसने कहा कि राज्य में अगले एक सप्ताह के दौरान अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से चार से आठ डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। राज्य के दक्षिण-पश्चिमी भागों में आठ से 10 मार्च के दौरान कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज होने की पूरी संभावना है।

इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को सचिवालय में इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश में अक्षय ऊर्जा उत्पादन के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है और इन ट्रांसमिशन परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन राज्य में उत्पादित सौर एवं पवन ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सीकर, झुंझुनूं, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर तथा फलोदी जिलों में निर्माणाधीन इन ट्रांसमिशन परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि राइट ऑफ वे (ठेथ), वन स्वीकृति, स्थानीय समन्वय सहित अन्य लंबित प्रशासनिक मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा हो सके।

बैठक में 765 केवी फतेहगढ़-ब्यावर (द्वितीय), 400 केवी फतेहगढ़-3भड़ला-3, 765 केवी सीकरखेतड़ी तथा 765 केवी सीकरनरेला ट्रांसमिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े संबंधित जिलों के जिला कलेक्टरों ने बताया कि उनके-अपने जिलों में इन परियोजनाओं के अंतर्गत अधिकांश निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य प्रगति पर है।

कुछ स्थानों पर राइट ऑफ वे, वन स्वीकृति तथा स्थानीय समन्वय से जुड़े मुद्दे लंबित हैं, जिनके समाधान के लिए जिला प्रशासन स्तर पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अजिताभ शर्मा, प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम (आरवीपीएन) सिद्धार्थ सिहाग, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सीकर, झुंझुनूं, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर और फलोदी जिलों के जिला कलेक्टर एवं अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का दौरा कर परिवादियों से फोन पर सीधे संवाद किया। उन्होंने उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। श्रीमती अरोड़ा ने इस दौरान विभागीय अधिकारियों के साथ प्रकरणों के निस्तारण की औसत अवधि, लंबे समय से लंबित मामलों तथा संतुष्टि श्रेणियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवादी की समस्या का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि पिछले एक वर्ष में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से संबंधित 2,59,977 परिवाद राजस्थान संपर्क पोर्टल पर प्राप्त हुए, जिनमें से 2,53,106 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है। इन शिकायतों का औसत निस्तारण समय लगभग 13 दिन रहा तथा 71 प्रतिशत परिवादियों ने समाधान पर संतुष्टि व्यक्त की। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय अपनाए जाएं तथा परिवादियों के साथ नियमित संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने निस्तारित प्रकरणों के संबंध में परिवादियों से फीडबैक लेने के भी निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार लोक शिकायतों के प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से सभी विभागों के सचिव 4 मार्च से 28 अप्रैल तक निर्धारित तिथियों में राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन पर स्वयं उपस्थित रहकर शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से प्रकरणों की सुनवाई, तथ्यात्मक समीक्षा और त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक, प्रभारी अधिकारी तथा प्रशासनिक सुधार विभाग एवं राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन के अधिकारी उपस्थित रहे।

ओमान के निकट पोत पर ईरान के मिसाइल हमले के बाद से राजस्थान का युवक लापता

जयपुर। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के बीच ओमान के पास एक तेलवाहक पोत पर हुए हमले के बाद, उस पर सवार राजस्थान के नागौर जिले का एक युवक लापता बताया जा रहा है। परिजनों ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि एक मार्च को जब पोत कसाब बंदरगाह पर रुका हुआ था तब एक ईरानी मिसाइल ने उसे निशाना बनाया जिससे जहाज को गंभीर नुकसान पहुंचा। पोत के चालक दल के सदस्य दिलीप सिंह लापता हैं। सिंह नागौर जिले के खिनवताना गांव के निवासी हैं और उन्होंने 22 जनवरी से ड्यूटी शुरू की थी। वह स्काईलाइट कंपनी द्वारा संचालित पोत पर चालक दल के सदस्य के रूप में तैनात थे। हमले के समय, दलीप जहाज के आगे के हिस्से में थे और उनके साथ एक अन्य चालक दल सदस्य, बिहार निवासी आशीष कुमार मौजूद थे।

जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस का विस्तार जैसलमेर तक करने की स्वीकृति मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस (ट्रेन नं.20485/20486) का विस्तार जैसलमेर तक करने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने यह जानकारी साझा करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मेरे आग्रह पर रेल मंत्री ने जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस का विस्तार जैसलमेर तक करने की स्वीकृति प्रदान की है। इससे जैसलमेर और आसपास के क्षेत्र के यात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। पर्यटन और व्यापार को भी सहयोग मिलेगा।

शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेहतर कनेक्टिविटी की नीति के अनुरूप लगातार रेल सुविधाओं को मजबूत करने और यात्रियों को अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह निर्णय क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की शक्ति उसकी स्वतंत्र आवाज में है न कि किसी की 'जी-हुजूरी' में : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि ईरानी नौसैनिक पोत 'आईरिस देना' के मामले में भारत सरकार की 'रणनीतिक चुप्पी' देश की साख पर सवाल खड़े करती है और भारत की शक्ति उसकी स्वतंत्र आवाज में है, न कि किसी की 'जी-हुजूरी' में। गहलोत ने यह भी कहा कि भारत को अपनी स्वायत्तता और मेहमान की सुरक्षा को सर्वोपरि रखना होगा। उन्होंने एक बयान में कहा, (जवाहर लाल) नेहरू जी के गुट निरपेक्ष आंदोलन से लेकर इंदिरा (गांधी) जी की निडर कूटनीति तक, भारत कभी किसी महाशक्ति के दबाव में नहीं झुका।

गहलोत ने कहा, हम सभी को 2013 का देवयानी खोबरागड़े मामला भी याद करना चाहिए, जब मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने अमेरिकी राजनयिकों की सुविधाएं छीनकर 'जैसे को तैसा' जवाब दिया था।

पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने ली विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव पशुपालन, मत्स्य, डेयरी एवं गोपालन विभाग डॉ. समित शर्मा ने बुधवार को पशुधन भवन के सभागार में विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के प्रारंभ में शासन सचिव ने उपस्थित सभी अधिकारियों को होली की शुभकामनाएं दीं। बैठक में पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुरेश मीना, पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. प्रवीण सेन, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. हेमंत कुमार पंत तथा डॉ. लक्ष्मण राव सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, निःशुल्क दवाई योजना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, कृत्रिम गर्भाधान तथा फील्ड स्तर पर सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना तथा कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में प्रगति बढ़ाने के निर्देश प्रदान किए गए। शासन सचिव ने प्रत्येक जिले में नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए 31 मार्च तक लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

उन्होंने एफएमडी टीकाकरण के क्षेत्र में विभाग के काम की प्रशंसा करते हुए बड़े पैमाने पर टीकाकरण का इंद्राज भारत पशुधन एप पर करने के लिए विभाग के अधिकारियों को बधाई दी। शासन सचिव ने नवनियुक्त कार्मिकों के प्रशिक्षण पर बल देते हुए कहा कि बड़ी संख्या में मैन पावर हमारे पास उपलब्ध हैं हमें उन्हें काम में लेना चाहिए जिससे विभाग को उनका समुचित लाभ मिल सके। उन्होंने नवनियुक्त पशु परिचरों को प्रसार कार्यकर्ता के रूप में काम में लेने के निर्देश दिए जिससे पशुपालकों को उनसे संबंधित सूचनाएं समय पर मिल सकें और वे उनका लाभ उठा सकें। इसके साथ ही ऐसे प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश प्रदान किए जिससे बड़ी संख्या में उपलब्ध मानव श्रम को राज्य एवं जनहित में इष्टतम उपयोग हेतु दक्ष बनाया जा सके और उनकी सेवाएं आमजन को मिल सकें।

निःशुल्क आरोग्य योजना के विषय में चर्चा करते हुए शासन सचिव ने कहा कि फील्ड में दवाइयों की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित हो और सरकार द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क दवाइयों का दुरूपयोग रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं और जो कार्मिक इस कार्य में लिप्त पाए जाते हैं उनके विरूद्ध तत्काल आवश्यक कार्यवाही की जाए। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई जगह से सरकारी दवाओं के दुरूपयोग की शिकायतें मिल रही हैं, जो स्वीकार्य नहीं है।

शासन सचिव ने निर्देश दिए कि राजकीय कार्य के समय में प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने राज्यादेश का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत की गई बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के संदर्भ में यथाशीघ्र वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति लिए जाने के भी निर्देश दिए।

जनगणना-2027 को सशक्त बनाने के लिये शाह ने चार डिजिटल मंचों, दो शुभंकरों का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को चार डिजिटल मंच का 'सॉफ्ट लॉन्च' किया, जो देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना के संचालन में सहायक होंगे। जनगणना का पहला चरण एक अप्रैल से शुरू होगा।

सॉफ्ट लॉन्च से आशय किसी वेब एप्लिकेशन या सेवा का उपयोग बड़े पैमाने पर शुरू करने से पहले सीमित दायरे में प्रायोगिक तौर पर जारी करना। शाह ने उपग्रह तस्वीरों का इस्तेमाल कर डिजिटल रूप से मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाने के लिये हाउस लिस्टिंग ब्लॉक क्रिएटर (एचएलबीसी) वेब एप्लिकेशन लॉन्च किया, जिससे देशभर में भौगोलिक कवरेज का मानकीकरण सुनिश्चित होता है। इसके अलावा उन्होंने एचएलओ मोबाइल एप्लिकेशन का भी सॉफ्ट लॉन्च किया। एचएलओ मोबाइल एप्लिकेशन एक सुरक्षित ऑफलाइन

मोबाइल एप्लिकेशन है, जिसके माध्यम से प्रगणक मकान – सूचीकरण डेटा एकत्र एवं अपलोड कर सकते हैं। इसके साथ ही स्व-गणना (एसई) पोर्टल की भी शुरुआत के साथ पहली बार स्व-गणना का विकल्प प्रदान किया जा रहा है। यह एक सुरक्षित वेब-आधारित सुविधा है, जिसके माध्यम से पात्र उत्तरदाता घर-घर सर्वेक्षण से पूर्व अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं।

जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल के तौर पर एक केंद्रीकृत वेब-आधारित डिजिटल मंच शुरू किया गया है, जिसके माध्यम से जनगणना से संबंधित गतिविधियों की योजना, प्रबंधन, क्रियान्वयन और निगरानी की जाएगी। शाह ने जनगणना-2027 के शुभंकरों – 'प्रगति' (महिला) और 'विकास' (पुरुष) का भी औपचारिक रूप से अनावरण किया। एक सरकारी बयान में कहा गया, यह शुभंकर 2047 में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में महिलाओं और पुरुषों की बराबर की भागीदारी के भी प्रतीक हैं। इन शुभंकरों के माध्यम से जनगणना 2027 से संबंधित जानकारी, उद्देश्य एवं प्रमुख संदेश समाज के विभिन्न वर्गों तक प्रभावी और जन-सुलभ रूप में पहुंचाए जाएंगे।

कोलकाता में पारा-शिक्षकों ने वेतन वृद्धि की मांग को लेकर रैली निकाली, पुलिस ने रोका

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सैकड़ों पारा-शिक्षकों ने बृहस्पतिवार को कॉलेज स्क्वायर पर धरना प्रदर्शन किया। पुलिस ने वेतन वृद्धि की मांग को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास की ओर जा रही रैली को रोक दिया। राज्य में पारा-शिक्षकों के एक मंच 'परशा शिक्षक ओइक्यो मंच' के लगभग 500 सदस्य, जिन्होंने सियालदह स्टेशन से अपना मार्च शुरू किया था और कालीघाट क्षेत्र की ओर जाने वाले रास्ते में सुबोध मल्लिक स्क्वायर की ओर बढ़ रहे थे, उन्हें कॉलेज स्क्वायर पर पुलिस ने रोक दिया और आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। मंच के संयोजक भागीरथ घोष ने कहा, हमें मुख्यमंत्री के आवास जाते समय रोक दिया गया क्योंकि हम उन्हें ज्ञापन सौंपना चाहते थे। हम पूरी तरह से लाचार हैं।

असम: सोनोवाल ने भारत के पहले नदी प्रकाशस्तंभों की नींव रखी

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने बृहस्पतिवार को ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे चार प्रकाशस्तंभों की आधारशिला रखी। यह देश में अंतर्देशीय जलमार्ग पर इस प्रकार की पहली अवसंरचना है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री ने नदी के दक्षिणी तट पर डिब्रूगढ़ जिले के बोगीबील, कामरूप महानगरपालिका के पांडू और नागांव जिले के सिलघाट तथा उत्तरी तट पर बिश्वनाथ घाट पर जलस्तंभों की नींव रखी। सोनोवाल ने यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ये चार जलस्तंभ ब्रह्मपुत्र नदी के रणनीतिक बिंदुओं पर स्थित हैं। ब्रह्मपुत्र राष्ट्रीय जलमार्ग-दो है और भारत के सबसे महत्वपूर्ण अंतर्देशीय माल एवं यात्री गलियारों में से एक है। एक बयान के मुताबिक, चार प्रकाशस्तंभ वाली इस परियोजना की कुल लागत 84 करोड़ रुपये होगी। प्रत्येक प्रकाशस्तंभ 20 मीटर ऊंचा होगा, जिसकी भौगोलिक सीमा 14 समुद्री मील और प्रकाशीय सीमा 8-10 समुद्री मील होगी। यह पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित होगा। मंत्री ने कहा कि नौवहन अवसंरचना के साथ-साथ, प्रत्येक स्थल पर एक संग्रहालय, एम्फीथिएटर, कैफेटेरिया, बच्चों के खेलने की जगह, सुव्यवस्थित सार्वजनिक स्थान होंगे, जो प्रत्येक प्रकाशस्तंभ को एक पर्यटन स्थल के साथ-साथ एक उपयोगी समुद्री संपत्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

इज़राइल की जीत और आतंकवाद के वैश्विक उन्मूलन के लिए संभल में 'यज्ञ' किया गया

संभल (उप्र)/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच इजराइल की जीत और आतंकवाद के वैश्विक उन्मूलन के लिए संभल में एक 'यज्ञ' किया गया। सनातन सेवा संघ के जिला अध्यक्ष कैलाश चंद्र गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''आज (बृहस्पतिवार को) आतंकवाद के समूल नाश, विश्व में शांति की स्थापना और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की लंबी उम्र के लिए यज्ञ किया गया। गुप्ता ने कहा,''हम यह संदेश देना चाहते हैं कि भारत में कुछ लोग ईरान में अयातुल्ला खामेनेई की मौत पर शोक मना रहे हैं। लेकिन उन्होंने कभी भी कश्मीर के पुलवामा हमले, पहलगाम हमले या हाल में दिल्ली में हुए बम विस्फोटों पर शोक नहीं जताया। उन्होंने कभी भी भारतीय सैनिकों की शहादत पर शोक नहीं जताया। खामनेई के बारे में वे कहते हैं कि अगर एक खामेनेई मर जाएगा, तो हजारों खामेनेई पैदा हो जाएंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि यज्ञ के माध्यम से वे लोग यह संदेश देना चाहते हैं कि दुनिया में शांति स्थापित हो, आतंकवाद पूरी तरह खत्म हो और इजरायल विजयी हो।

मिजोरम के 45 गांवों में अभी तक भी बिजली नहीं : मंत्री

आइजोल/भाषा। मिजोरम के 45 गांवों को अभी भी विद्युतरहित या विद्युतविहीन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। बिजली और विद्युत मंत्री एफ रोडिंगलियाना ने बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा को यह जानकारी दी। विपक्षी भाजपा सदस्य प्रोवा चकमा के सवालों के लिखित जवाब में मंत्री ने कहा कि पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत इन गांवों के घरों में बिजली उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि मंजूरी मिल चुकी है और इन दूरस्थ गांवों के विद्युतीकरण के लिए तीन ठेकेदारों के नामों को अंतिम रूप दे दिया गया है, जिनमें से दो बाहरी हैं। रोडिंगलियाना ने कहा कि सामग्री की आपूर्ति के लिए गारंटीकृत तकनीकी विवरण वाली ड्राइंग को पहले ही मंजूरी दे दी गई है, और कुछ निर्धारित स्थलों तक प्रारंभिक आपूर्ति पहले ही पहुंचनी शुरू हो गई है। राज्य भर में कई ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने की खबरें हैं, और 71 ट्रांसफार्मर मरम्मत के लिए आवंटन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव से खाड़ी के बाजारों में भारत के चाय निर्यात पर खतरा

कोलकाता/भाषा। अगर पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ता है और होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये निर्यात खेपों पर असर पड़ता है, तो भारतीय चाय निर्यात में बड़ी रुकावट आ सकती है। भारतीय चाय संघ ने यह जानकारी दी है। संघ ने कहा कि फारस की खाड़ी क्षेत्र के मुख्य बाजार, जिनमें इराक, ईरान, कुवैत, सऊदी अरब, बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं, में भारत की चाय खेप का एक बड़ा हिस्सा इस रणनीतिक रास्ते से होकर गुजरता है। ईरान ने कहा कि वह चीन के मालवाहक जहाज को छोड़कर इस रास्ते से अन्य जहाजों को गुजरने की अनुमति नहीं देगा। संघ ने कहा कि वर्ष 2025 में, भारत ने लगभग 28 करोड़ किग्रा चाय का निर्यात किया, जिसमें से लगभग 41 प्रतिशत, यानी 11.5 करोड़ किग्रा, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ईरान और इराक को इकट्ठा मिलाकर भेजी गई। भारतीय चाय संघ की अध्यक्ष, शैलजा मेहता ने बयान में कहा, ''इसलिए, चल रहे युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के ज़रिये व्यापार में कोई भी रुकावट या रोक, भारतीय चाय के निर्यात पर गंभीर असर डालेगी।''

जन समस्याओं के निस्तारण में शिथिलता अक्षम्य : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात की और अधिकारियों को जन शिकायतों का तत्परता और संवेदनशीलता से समाधान करने की हिदायत देते हुए आगाह किया कि किसी भी तरह की लापरवाही अक्षम्य है। गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री खुद चलकर पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं।

राज्य सरकार के बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने करीब 150 लोगों से मुलाकात की और सभी को समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जन समस्याओं का समाधान तत्परता और संवेदनशीलता से करें। उन्होंने हिदायत दी, ''इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य होगी। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले और कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। बयान के मुताबिक जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। आदित्यनाथ ने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार इलाज के लिए उनकी भरपूर मदद करेगी।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इस्तीफा दिया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने बृहस्पतिवार शाम नई दिल्ली में अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

सत्रह नवंबर, 2022 को बंगाल के राज्यपाल नियुक्त किए गए बोस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हां, मैंने इस्तीफा दे दिया है। मैं साढ़े तीन साल तक बंगाल का राज्यपाल रहा हूं; मेरे लिए इतना ही काफी है।'' उन्होंने हालांकि अचानक इस्तीफा देने के कारणों का खुलासा नहीं किया और न ही यह बताया कि क्या कोई राजनीतिक दबाव था जिसके कारण उन्होंने यह निर्णय लिया।

कांग्रेस चाहती है कि भारत आंख मूंदकर ईरान का समर्थन करे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश की विदेश नीति राष्ट्रहित और नागरिकों की सुरक्षा के आधार पर तय होनी चाहिए, न कि विपक्षी पार्टी की ''पुरातन सोच'' की मजबूरियों से।

अमित मालवीय और प्रदीप भंडारी समेत कई भाजपा नेताओं ने इस मुद्दे पर बात की और कांग्रेस को ''भारत विरोधी'' बताते हुए आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी पार्टी बांटने वाली राजनीति करती है। सत्ताधारी पार्टी ने कहा कि विपक्ष को सिर्फ अपने वोट बैंक से प्यार है, देश और लोगों से नहीं। मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यहां तक

कि चीन, जिसने सालों तक ईरान को कूटनीतिक तरीके से बचाया, छद्म आतंकी समूहों को उसकी ओर से मिलने वाले समर्थन को नजरअंदाज किया और उसका अधिकतर तेल खरीदा, वह भी अब तेहरान से दूरी बना रहा है।''

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख ने कहा, ''फिर भी कांग्रेस चाहती है कि भारत आंख बंद करके ईरान का साथ दे, जबकि वह खाड़ी में अंधाधुंध गतिविधियां चलाता रहता है, जरूरी तेल आपूर्ति मार्गों को खतरा पहुंचाता है, और उस इलाके में तनाव बढ़ाता है जहां लाखों भारतीय रहते और काम करते हैं।'' मालवीय ने कहा कि भारत की विदेश नीति ''देश के हित और अपने नागरिकों की सुरक्षा से निर्देशित होनी चाहिए, न कि कांग्रेस की पुरानी पड़ चुकी सोच की मजबूरियों से।'' श्रीलंका के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी पनडुब्बी के एक ईरानी युद्धपोत को टॉरपीडो मारकर डुबोने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि मोदी सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। कांग्रेस ने दावा किया कि भारत सरकार पहले कभी इतनी 'डरपोक और डरी हुई' नहीं दिखी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम एशिया का झगड़ा भारत की दहलीज तक पहुंच गया है लेकिन प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा।

भाजपा नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जदयू को खत्म करने की साजिश रच रही है: तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को खत्म करने की साजिश रच रही है।

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से हटने से संबंधित घटनाक्रम पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सब जानते हैं कि बिहार के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने नारा दिया था – '2025 से 30 फिर से नीतीश'। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और राजग के घटक दल जानते हैं कि किस प्रकार तंत्र-मंत्र और पूरे सिस्टम का इस्तेमाल कर चुनाव लड़ा गया। उन्होंने कहा, ''उस समय भी हमने कहा था कि भाजपा के लोगों ने नीतीश कुमार को 'हाईजैक' कर लिया है और उन्हें दोबारा कुर्सी पर बैठने नहीं देंगे। हमने कहा था कि वे छह महीने से ज्यादा कुर्सी पर नहीं रहेंगे। भाजपा जिसके साथ भी रही है, उसे बर्बाद करने का काम किया है। भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलित और आदिवासी विरोधी पार्टी है।''

तेजस्वी यादव ने यह टिप्पणी राजद के राज्यसभा उम्मीदवार अमरेंद्र धारी सिंह के नामांकन के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। उन्होंने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि बिहार में ऐसा नेता रहे जो ओबीसी या दलितों की बात करता हो और वह एक 'रबड़ स्टांप मुख्यमंत्री' चाहती है। तेजस्वी ने कहा कि राज्य में जो सत्ता परिवर्तन हो रहा है, वह जनभावनाओं के खिलाफ है और लोग भाजपा के चाल-चरित्र को समझते हैं। उन्होंने कहा, ''हमने नीतीश कुमार के साथ भी काम किया है, लेकिन अधिकतर समय हम विपक्ष में रहे। 28 जनवरी 2024 को जब जदयू ने हमारा साथ छोड़ा था, तब भी हमने कहा था कि भाजपा अंततः उन्हें समाप्त करने की कोशिश करेगी। हमें उनके प्रति पूरी सहानुभूति है। उन्होंने बिहार की जो सेवा की है, उसके लिए हम उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं।''

नीतीश को राज्यसभा भेजना उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की 'सुनियोजित साजिश': जदयू विधायक

रांची/भाषा। झारखंड में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के इकलौते विधायक सरयू रॉय ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजना उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की एक 'सुनियोजित साजिश' है। जदयू सुप्रीमो नीतीश कुमार ने सुबह (बृहस्पतिवार) राज्यसभा का चुनाव लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की, जिसके साथ ही उनका 20 साल तक राज्य के सबसे लंबे समय तक का मुख्यमंत्री का कार्यकाल समाप्त हो गया।

रॉय ने कहा, आज बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव आया है। 2005 से मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने राज्य के लिए बहुत काम किया और सुशासन स्थापित किया है। जिस तरह से उनके जैसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद से हटाकर राज्यसभा भेजा गया है, ऐसा लगता है कि उन्हें किसी आश्रय में भेजा जा रहा है। यह तरीका उचित नहीं लगता। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक ने कहा, पिछले दो दिनों में दिल्ली और पटना के बीच जो गतिविधियां हुई हैं, उनसे लगता है कि यह सब एक सुनियोजित साजिश के तहत किया गया है। अगर उन्हें (नीतीश कुमार को) सम्मानजनक तरीके से राज्यसभा भेजा जाता, तो कोई आपत्ति नहीं करता। कुमार का मित्र होने के नाते, मुझे यह फैसला बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा है। रॉय ने हालांकि यह नहीं बताया कि इस सुनियोजित साजिश के पीछे कौन है।

मणिपुर सरकार हर नागरिक के कल्याण के लिए समर्पित है : खेमचंद सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक के कल्याण के लिए एक मजबूत और अधिक प्रगतिशील राज्य के निर्माण के लिए समर्पित है।

मुख्यमंत्री सिंह ने यह टिप्पणी मंत्रिमंडल की बैठक के बाद की। एक दिन पहले ही दो उपमुख्यमंत्रियों एल. दिखो और नेमचा किपगेन के साथ-साथ मंत्रियों गोविंददास कोंठुजाम और के. लोकेन सिंह को विभागों का वितरण किया गया था। सिंह ने बैठक का विवरण 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, आज सचिवालय में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जहां हमने प्रशासन और शासन के प्रमुख मामलों पर व्यापक विचार-विमर्श किया और पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर आधारित अधिक नागरिक-केंद्रित प्रणाली प्रदान करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। शांति, सुरक्षा और समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियों और प्रथाओं को मजबूत करने के लिए हमारी सरकार के निरंतर संकल्प को दर्शाते हुए, कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय क्रियान्वयन के लिए अपनाए गए हैं। ये प्रयास हमारे राज्य में स्थिरता, सतत विकास और समग्र समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं।

बिहार:नीतीश कुमार, नितिन नवीन समेत पांच राजग प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया, राजद भी मैदान में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के तीन अन्य उम्मीदवारों ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया है।

राजग को उम्मीद है कि विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मैदान में उतरने के बावजूद वह सभी पांच सीट जीत सकता है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख कुमार और भाजपा नेता नितिन नवीन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। शाह इस मौके पर दिल्ली से पटना पहुंचे थे। नितिन नवीन को जनवरी में भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। नितिन नवीन और नीतीश कुमार के अलावा राजग की ओर से केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर (जदयू), राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा और भाजपा के प्रदेश महासचिव शिवेश कुमार ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया। रामनाथ ठाकुर लगातार तीसरी बार राज्यसभा पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुशवाहा लगातार दूसरा कार्यकाल चाहते हैं। पूर्व विधायक शिवेश कुमार पहली बार संसद पहुंचने की आस लगाए हुए हैं।

नीतीश कुमार ने इससे पहले दिन में राज्यसभा जाने की अपनी इच्छा की घोषणा की, जिसके साथ ही राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के उनके 20 वर्ष के कार्यकाल का अंत हो जाएगा। इस बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, नीतीश कुमार ने तीन साल पहले ही राज्यसभा जाने की इच्छा जताई थी। अब उन्होंने जाने का फैसला किया है, तो वह अपनी इच्छा से ही ऐसा कर रहे हैं। भविष्य में जो भी सरकार बनेगी, वह उनके नेतृत्व में ही काम करेगी।

हरित विकास का मॉडल बनकर उभर रहा पश्चिम बंगाल : अमित मित्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रधान मुख्य सलाहकार अमित मित्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य चक्रीय (संसाधनों के महत्तम उपयोग) अर्थव्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा और जल संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों के संयोजन के जरिये हरित विकास का एक मॉडल बनकर उभर रहा है।

पश्चिम बंगाल में वित्त विभाग के सलाहकार मित्रा ने यहां 'बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' के स्थिरता सम्मेलन में कहा कि राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के साथ आजीविका सृजन पर केंद्रित कई पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशक में वैश्विक जलवायु संकट से करीब 2.8 लाख करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है और इस पृष्ठभूमि में पश्चिम बंगाल ने पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक गतिविधियों को जोड़ते हुए 'चक्रीय अर्थव्यवस्था' का मॉडल विकसित करने की कोशिश की है। मित्रा ने बताया कि राज्य में लगभग 800 किलोमीटर लंबी खाड़ियों की खुदाई की गई है ताकि वर्षा जल को रोका जा सके और झींगा पालन को बढ़ावा देने के लिए मीठे पानी की पारिस्थितिकी बनाई जा सके। उन्होंने कहा, ''हमने इन खाड़ियों के किनारे मैंग्रोव वन लगाए हैं। उनके पत्ते पानी में गिरकर झींगों के लिए प्राकृतिक चारा बनते हैं।'' पश्चिम बंगाल में चक्रीय अर्थव्यवस्था के विकास की पहल से महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को भी लाभ हुआ है और राज्य से झींगा निर्यात लगभग 50 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। मित्रा ने हरित परिवहन का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में 2,62,620 पंजीकृत हरित वाहन हैं, जिनके लिए 805 चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं।

सपा प्रमुख ने ईरानी युद्धपोत डुबाये जाने पर उठाये भारत के रुख पर सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अमेरिका द्वारा श्रीलंका के दक्षिणी छोर पर ईरानी युद्धपोत को 'डुबा दिये जाने' पर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के रुख की आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार यह स्पष्ट करे कि लोग इसे 'चुप्पी' मानें या किसी विशेष भय के कारण इसे 'घिग्घी बंधना' माना जाए। उन्होंने कहा कि देश के लिए मौजूदा समय 'सरकार-शून्यता' का काल है।

यादव ने 'एक्स' पर कहा कि अमेरिकी-इजराइली हमलों का हमारी सरहदों के करीब, हिंद महासागर तक पहुंचना देशवासियों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ''यह इन अर्थों में बेहद चिंतनीय भी है कि इस गंभीर विषय पर भाजपा सरकार ने अभूतपूर्व चुप्पी साध रखी है। स्पष्ट किया जाए कि इसे 'चुप्पी' माना जाए या किसी विशेष भय के कारण इसे 'घिग्घी बंधना' माना जाए।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है कि उनके होंठ किसी ने सिल दिये हैं। जनता पूछ रही है कि आपका कौन सा पत्ता दबा है?'' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा होने के नाते यह देश की सरकार, विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय का संयुक्त दायित्व बनता है कि वे इस पर अपना पक्ष स्पष्ट करें, मगर कई दिनों की प्रतीक्षा के बाद भी सरकार द्वारा मुंह न खोलने पर, इस वैश्विक मुद्दे पर विपक्ष को मजबूर होकर बोलना पड़ रहा है।

सुविचार

जिन लोगों ने जिंदगी में कुछ करना होता है वह लोग निराश होने में अपना समय नहीं गवाते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पंजाबः धर्मांतरण एक गंभीर चुनौती

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब में धर्मांतरण का मुद्दा उठाकर देशवासियों को एक बड़ी समस्या से सावधान किया है। धर्मांतरण कई समस्याओं को जन्म देता है। वर्ष 1947 में भारत के विभाजन के पीछे एक बड़ा कारण सदियों से हो रहा धर्मांतरण था। कश्मीर में धर्मांतरण हुआ, जिसका नतीजा हमारे सामने है। पंजाब में हो रहा धर्मांतरण भविष्य में गंभीर चुनौतियां पैदा कर सकता है। इस राज्य के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। इसके पश्चिम में पाकिस्तान स्थित है। यहां उग्रवाद की समस्या रही है, जिसके पीछे पाकिस्तान का हाथ था। पड़ोसी देश आज भी प्रतिबंधित संगठनों को हथियार, धन, ड्रग्स जैसी चीजें पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। यहां धर्मांतरण का खेल अन्य राज्यों की तुलना में कहीं ज्यादा घातक सिद्ध हो सकता है। पंजाब में ऐसे संगठनों ने जड़ें जमाने के लिए कई पैंतरे आजमाए हैं। ये किसी व्यक्ति को न तो पहनावा बदलने के लिए कहते हैं, न नाम बदलने पर जोर देते हैं, न भाषा के स्तर पर बदलाव की बात करते हैं। यहां तक कि धर्मांतरण को धर्मांतरण भी नहीं कहते हैं। ये इसे 'मन परिवर्तन', 'प्रभु की शरण' आदि कहते हैं, जिससे व्यक्ति को असहज महसूस नहीं होता। 'चंगाई सभा' नामक आयोजन भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसा दावा किया जाता है कि जो व्यक्ति इसमें आता है, वह गंभीर बीमारियों से मुक्ति पाता है। सोशल मीडिया पर कई लोगों के वीडियो मौजूद हैं, जिनमें वे 'गवाही' देते हुए बताते हैं कि 'पहले हम बहुत बीमार, दु:खी और परेशान थे ... चंगाई सभा में जाने के बाद हमारे तो दिन ही फिर गए, तकलीफों से निजात मिल गई।' हालांकि चिकित्सक ऐसे दावों पर सवाल उठा चुके हैं।

बड़ा सवाल है– लोग धर्मांतरण के लिए क्यों तैयार हो जाते हैं? इसके कई जवाब हो सकते हैं। अगर सभी कारणों को मिलाकर कोई एक जवाब दिया जाए तो वह होगा– धर्मांतरण कराने वाले संगठन उन्हें उम्मीद दिखाते हैं। अगर कोई व्यक्ति जरूरतमंद होता है तो उसकी कुछ मदद कर देते हैं। जहां पढ़ाई–लिखाई की अच्छी व्यवस्था नहीं होती, वहां अंग्रेजी माध्यम का स्कूल खोल देते हैं। ये व्यक्ति को भरोसा दिलाते हैं कि एक बार 'शरण' में आने के बाद आपकी ज़िंदगी बदल जाएगी। पंजाब के कई लोग विदेश, खासकर कनाडा जाकर नौकरी करने के इच्छुक हैं। जब वे ऐसे संगठनों के संपर्क में आते हैं तो उन्हें लगता है कि धर्मांतरण से उनका रास्ता आसान हो जाएगा। उन्हें दस्तावेजों में कुछ भी बदलाव नहीं करना होता। वे अपनी पुरानी पहचान के साथ नई आस्था के रास्ते पर आगे बढ़ सकते हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे लोगों की गवाहियां मौजूद हैं, जिन्होंने कहा कि पहले उनका वीजा नहीं लग रहा था, 'शरण' में आते ही काम हो गया! धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए रेडियो का भरपूर इस्तेमाल किया गया। ऐसे रेडियो स्टेशन शुरू किए गए, जो रोचक अंदाज में देश–दुनिया का हाल बताते, हिंदी–पंजाबी में गाने सुनाते और धर्मांतरण के पक्ष में माहौल बनाते थे। अब यह काम इंटरनेट के जरिए हो रहा है। एक रेडियो स्टेशन, जो ढाई दशक पहले बहुत मशहूर था, इसी तर्ज पर काम करता था। जो श्रोता उस स्टेशन को पत्र लिखता, उसे मुफ्त किताबें भेजी जाती थीं। जब किसी व्यक्ति को मुफ्त किताबें मिलतीं तो वह अन्य लोगों को जरूर बताता था। इस योजना से वे भी आकर्षित होते और पत्र लिखकर अपने लिए किताबें मंगाते थे। फिर, यह सिलसिला आगे बढ़ता जाता था। धर्मांतरण कराने वाले संगठन हर आयु वर्ग की जरूरत और रुचि को ध्यान में रखकर अपनी रणनीति बनाते हैं। उन पर लगाम लगाने के लिए कानूनी उपाय पर्याप्त साबित नहीं होंगे। सरकारों को स्कूलों और अस्पतालों की हालत सुधारनी होगी। परिवारों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को धार्मिक शिक्षा भी दें। सामाजिक स्तर पर भेदभाव को दूर करें। सद्भाव और एकता को मजबूत करें।

ट्वीटर टॉक

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र के सदस्य द्वारा क्षेत्र में सड़कों के नवीनीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से संबंधित उठाए गए प्रश्नों पर सदन में उत्तर प्रस्तुत किया। राज्य की हमारी सरकार प्रदेश में सुदृढ़ एवं बेहतर सड़क नेटवर्क के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

–दिया कुमारी

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। किसानों के कल्याण एवं ग्रामीण विकास के लिए आपका अटूट समर्पण एवं दूरदर्शी विजन अभिनंदनीय है।

–अर्जुनराम मेघवाल

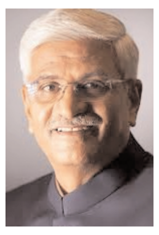

अत्यंत हर्ष का विषय है कि मेरे आग्रह पर माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी ने ट्रेन संख्या 20485/20486 जोधपुरसाबरमती एक्सप्रेस का विस्तार जैसलमेर तक करने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके लिए माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

सादगी के शास्त्री

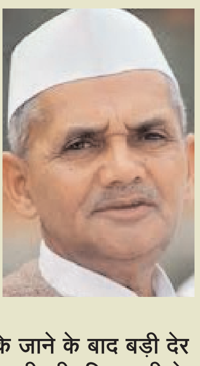

एक बार प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री कपड़े की दुकान में साड़ियां खरीदने गए। दुकान का मैनेजर शास्त्री जी को कीमती साड़ियां साड़ियां दिखाने लगा। शास्त्री जी बोले, भाई, मुझे कम कीमत वाली साड़ियां दिखाओ और उनकी कीमत बताते जाओ। तब मैनेजर ने शास्त्री जी को थोड़ी सस्ती साड़ियां दिखानी शुरू कीं। शास्त्री जी ने कहा, ये भी मेरे लिए महंगी ही हैं और कम कीमत की दिखाओ। उन्होंने कहा, दुकान में जो सबसे सस्ती साड़ियां हों, वह दिखाओ। मुझे वही चाहिए। आखिरकार मैनेजर ने उनके मनमुताबिक साड़ियां निकालीं। शास्त्री जी ने उनमें से कुछ चुन लीं और उनकी कीमत अदा कर चले गए। उनके जाने के बाद बड़ी देर तक दुकान के कर्मचारी और वहां मौजूद कुछ ग्राहक शास्त्री जी की सादगी के प्रति श्रद्धा से भर उठे थे।

सामयिक

क्या हर युद्ध हमारी अर्थव्यवस्था की परीक्षा बन जाएगा?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

भारत का 'युद्ध–भय' सिंड्रोम अब किसी मनोवैज्ञानिक शब्दकोश की परिभाषा भर नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत की आर्थिक नब्ज बन चुका है। जैसे ही पश्चिम एशिया में बारूद सुलगता है, मुंबई के दलाल स्ट्रीट पर घबराहट छा जाती है। मार्च 2026 में ईरान–अमेरिका–इजराइल संघर्ष ने इस आशंका को चरम तक पहुँचा दिया, जब ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर के ऊपर निकल गया और होर्मुज स्ट्रेट पर जहाज़ों की लंबी कतारें दिखने लगीं। वैश्विक एजेंसियों की रिपोर्टों के मुताबिक 4.5 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था, जो हाल तक नियंत्रित महंगाई और तेज़ वृद्धि का उदाहरण मानी जा रही थी, अचानक बाहरी झटकों से डगमगाने लगी। यह महज आर्थिक उतार–चढ़ाव नहीं; यह सामूहिक मानस का संकट है–निवेशक जोखिम समेटते हैं, रुपया दबाव झेलता है और आम उपभोक्ता को पेट्रोल पंप पर मिलता बिल आने वाले कल की चिंता जता देता है। वैश्वीकरण की चमक के पीछे छिपी यह असुरक्षा हर बार सामने आ जाती है। इस 'युद्ध–भय' की जड़ें नई नहीं हैं। 1991 का खाड़ी संकट, जब इराक ने कुवैत पर चढ़ाई की, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को लगभग खाली कर गया और आर्थिक उदारीकरण का द्वार मजबूरी में खुला। 1973 के योम किप्पुर युद्ध ने तेल को हथियार बना दिया था और तब भी भारत ने आयात–निर्भरता की भारी कीमत चुकाई। 2022 में रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान कच्चा तेल 120 डॉलर तक जा पहुँचा, महंगाई 7 प्रतिशत से ऊपर निकली और मौद्रिक सख्ती बढ़ानी पड़ी। हर बार पैटर्न एक–सा रहा–कहीं दूर युद्ध, और यहाँ विकास दर पर प्रहार। इतिहास लगातार चेताता रहा कि ऊर्जा, उर्वरक और आपूर्ति शृंखलाओं में अत्यधिक बाहरी निर्भरता हमें असुरक्षित करती है, फिर भी संकट टलते ही हम सामान्यता के भ्रम में लौट आते हैं। यही चूक 'युद्ध–भय' को स्थायी मनःस्थिति में बदल देती है।

वर्ष 2026 का पश्चिम एशियाई संघर्ष इसी पैटर्न का समकालीन रूप है। भारत के लगभग 17 प्रतिशत निर्यात उसी क्षेत्र की ओर जाते हैं और एक करोड़ से अधिक प्रवासी वहाँ से रेमिटेंस भेजते हैं। यदि तनाव लंबा चला, तो तेल 100 डॉलर के पार निकल सकता है, जिससे चालू खाते का घाटा फैलेगा और विकास की गति पर दबाव बढ़ेगा। लॉजिस्टिक्स लागत में उछाल और बीमा प्रीमियम में वृद्धि व्यापारिक मार्जिन को निगल जाती है। वित्तीय बाजारों में जोखिम–प्रतिकूलता बढ़ती है और पूंजी उभरते बाजारों से सुरक्षित ठिकानों की ओर सिमटती है। इस पूरी प्रक्रिया में भारत की स्वीट स्पॉट' अर्थव्यवस्था–जहाँ महंगाई काबू में और विकास संतुलित था–अचानक असंतुलन की तरफ झुक जाती है। युद्ध भले सीमाओं से दूर हो, पर ऊर्जा मार्गों और पूंजी प्रवाह के जरिये वह हमारे बजट और जेब पर दस्तक दे देता है।

ऊर्जा क्षेत्र इस सिंड्रोम की सबसे नाजुक नस है। भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज मार्ग से गुजरता है। रणनीतिक भंडार सीमित समय तक ही सहारा दे सकते हैं; लंबा व्यवधान उद्योग, परिवहन और कृषि की लागत बढ़ा देगा। ईंधन महँगा होता है तो ट्रकों का भाड़ा बढ़ता है, कारखानों की लागत चढ़ती है और अंततः किराने की दुकानों पर दाम बढ़ जाते हैं। यही क्रम 'ऊर्जा झटके' को 'मुद्रास्फीति तूफान' में बदल देता है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न सस्ती और स्थिर ऊर्जा पर आधारित है; यदि हर वैश्विक टकराव पर हमारी ऊर्जा सुरक्षा हिलती है, तो यह सपना बार–बार कसौटी पर होगा। विविधीकरण–चाहे नवीकरणीय ऊर्जा हो या नए आपूर्तिकर्ता–अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

महंगाई और रुपया इस भय के सबसे स्पष्ट संकेतक हैं। तेल में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी चालू खाते के घाटे को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा देती है और आयात बिल को फुला देती है। रुपया दबाव झेलता है तो विदेशी ऋण महँगा हो जाता है और कंपनियों की बैलेंस शीट प्रभावित होती है। केंद्रीय बैंक को ब्याज दरों के माध्यम से संतुलन साधना पड़ता है, जिससे कर्ज महँगा और निवेश धीमा पड़ सकता है। अंततः इसका भार आम नागरिक उठाता है–ईंधन, खाद्य और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं। 'युद्ध–भय' इसलिए भी गहरा है क्योंकि यह अदृश्य कर की तरह काम करता है; बिना किसी घरेलू नीति–चूक के, वैश्विक संघर्ष हमारी क्रय शक्ति को कम कर देता है।

पूंजी बाजार इस मनोविज्ञान को सबसे तेजी से प्रतिबिंबित करते हैं। अनिश्चितता बढ़ते ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेश सिमटता है, इक्विटी सूचकांक गिरते हैं और नई परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाना कठिन हो जाता है। भारत का बाजार आकार भले पाँच ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुँच गया हो, पर तेल–आधारित झटके इसे वैश्विक साथियों से पीछे धकेल सकते हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी जोखिम आकलन के नए मानकों पर कसा जाता है।

वैश्विक फंड प्रबंधक भू–राजनीतिक जोखिम प्रीमियम बढ़ाते हैं, तो उभरती अर्थव्यवस्थाएँ पहले झटका खाती हैं। एक युद्ध की खबर हजारों अंकों की गिरावट में बदल जाती है और विकास कथा पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। यही वह क्षण है जब 'युद्ध–भय' आर्थिक वास्तविकता का रूप ले लेता है। आखिर हर संकट अपने भीतर समाधान का बीज भी छिपाए रहता है। यह परिदृश्य केवल असहायता का चित्र नहीं, बल्कि तैयारी और परिवर्तन की पुकार है। सरकारें ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, रणनीतिक भंडार के विस्तार और नवीकरणीय निवेश के माध्यम से जोखिम सीमित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कूटनीतिक संतुलन भी अनिवार्य है, ताकि सभी पक्षों के साथ ऊर्जा और व्यापारिक रिश्ते सुरक्षित रह सकें। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से दूरी नहीं, बल्कि लचीले वैश्विक एकीकरण की समझदारी भरी नीति है। यदि हम इतिहास से सबक लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करें, घरेलू विनिर्माण को प्रतिस्पर्धी बनाएं और वित्तीय अनुशासन बनाए रखें, तो युद्ध–भय' स्थायी नियति नहीं रहेगा। अन्यथा हर वैश्विक टकराव हमारी अर्थव्यवस्था की नसों पर दबाव बनाता रहेगा। यह सिंड्रोम चेतावनी भी है और अवसर भी–चुनाव हमारा है कि हम भय में सिमटें या उसे नीतिगत सुधार की शक्ति में रूपांतरित कर दें।

नजरिया

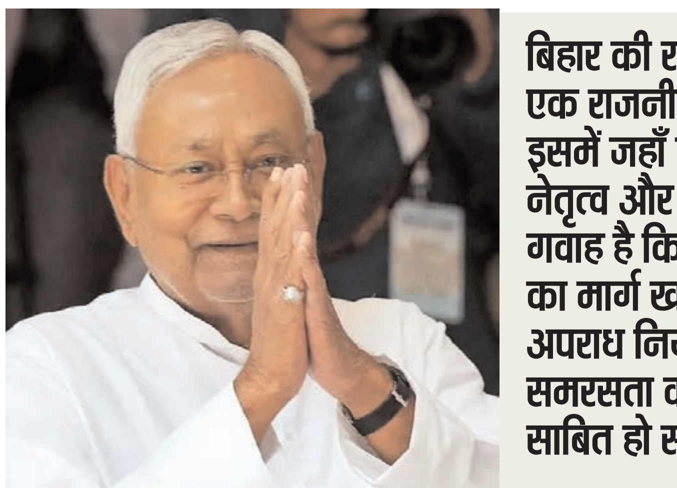

बिहार की राजनीति में नीतिश कुमार का राज्यसभा की ओर जाना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत है। इसमें जहाँ विपक्ष जनादेश के सवाल को उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे नए नेतृत्व और नई दिशा के अवसर के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इतिहास गवाह है कि कई बार राजनीतिक परिवर्तन ही विकास की नई संभावनाओं का मार्ग खोलते हैं। यदि यह सत्ता परिवर्तन बिहार में बेहतर प्रशासन, अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्तिए आर्थिक प्रगति और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है, तो यह राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

बिहार की राजनीति में सत्ता परिवर्तन से जुड़े सवाल

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मोड़ उस समय सामने आया जब राज्य के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतिश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने का निर्णय स्वीकार किया और इसके लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया। उनके नामांकन के अवसर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह का पटना पहुँचना भी इस राजनीतिक घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। लगभग दो दशकों तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का यह निर्णय केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि बिहार की सत्ता और राजनीति के स्वरूप में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत भी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गठबंधनों, समीकरणों और सत्ता–संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। यह परिवर्तन जहां एक ओर नई संभावनाओं का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े करता है, क्या यह जनादेश का सम्मान है या उससे विचलन? क्या यह बिहार के लिए नई दिशा का मार्ग है या राजनीतिक रणनीति का एक नया अध्याय?

नीतिश कुमार को लंबे समय से सुशासन पुरुष के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया, इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जबकि कुछ इसे बिहार की सत्ता में नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को अवसर देने की रणनीति के रूप में भी देखते हैं। बिहार में अपेक्षित संभावनाएं पूरी तरह आकार नहीं ले पायी, इसलिये भी भाजपा खुद का मुख्यमंत्री लाकर बिहार को विकास से जोड़ना चाहती है। नीतिश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में जनता ने नीतिश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए वोट दिया था और पाँच वर्षों के जनादेश के बीच में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे जनादेश के साथ खिलवाड़ और राजनीतिक समझौते की राजनीति करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा करती रही है कि वह राज्य में विकास, सुशासन और अपराध–मुक्त प्रशासन को और अधिक प्रभावी रूप में लागू करना चाहती है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि बिहार में विकास की गति को और तेज करने, निवेश को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नई नेतृत्व संरचना की आवश्यकता है।

किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया होती है। यह परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक ढंग से और राजनीतिक सहमति के साथ होता है, तो यह व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है। बिहार में पिछले दो दशकों में राजनीतिक स्थिरता अपेक्षाकृत बनी रही है और इसका एक बड़ा श्रेय नीतिश कुमार के नेतृत्व को दिया जाता है। अब जब वह सक्रिय प्रशासनिक भूमिका से हटकर संसदीय राजनीति की ओर जा रहे हैं, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नया नेतृत्व उस स्थिरता को किस प्रकार बनाए रखता है। सत्ता परिवर्तन का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे शासन व्यवस्था में नए विचार, नई ऊर्जा और नई प्राथमिकताएँ सामने आती हैं। इस घटनाक्रम के साथ बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के प्रवेश और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा भी तेज हो गई है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक यह मानते हैं कि यह परिवर्तन केवल एक व्यक्ति या दल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति के पूरे स्वरूप को प्रभावित करेगा। यदि नई नेतृत्व संरचना बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक समरसता के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करती है, तो यह परिवर्तन राज्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। यदि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह निर्णय बिहार के लिए सकारात्मक परिणाम ला सकता है।

बिहार में प्रस्तावित सत्ता परिवर्तन को भाजपा एक व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी का मानना है कि लंबे समय से विकास, सुशासन, भ्रष्टावार–मुक्ति और सुरक्षा के जिन मुद्दों पर बिहार पिछड़ता रहा है, उन्हें एक निर्णायक नेतृत्व और कठोर प्रशासनिक इच्छाशक्ति के माध्यम से बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कई लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी देते हैं, जहाँ योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद अपराध और माफिया पर कठोर कार्रवाई, प्रशासनिक अनुशासन और विकास योजनाओं के विस्तार ने राज्य की छवि और जनजीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने का प्रयास किया। इसी दृष्टि से बिहार में भी यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि यदि भाजपा को स्पष्ट नेतृत्व का अवसर मिलता है, तो वह अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार–मुक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और विकास के नए मानक स्थापित करने की दिशा में काम कर सकती है।

आज भी यह व्यापक धारणा व्यक्त की जाती है कि बिहार में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अपेक्षित गति से विकास नहीं हो पाया है और कई क्षेत्रों में अपराध तथा असुरक्षा की भावना जनजीवन को प्रभावित करती रही है। ऐसे में यदि नई सरकार दृढ़ नीतियों के साथ विकास, कानून–व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, तो यह सत्ता परिवर्तन राज्य के लिए नई दिशा और नई दशा का वाहक बन सकता है। यही कारण है कि कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसे बिहार के लिए संभावित अवसर के रूप में देखते हैं–एक ऐसा अवसर, जिसमें सुशासन, विकास और सुरक्षित जनजीवन की नई धारा प्रवाहित हो सकती है और राज्य प्रगति के एक नए अध्याय की ओर अग्रसर हो सकता है।

बिहार की राजनीति में नीतिश कुमार का राज्यसभा की ओर जाना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत है। इसमें जहाँ विपक्ष जनादेश के सवाल को उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे नए नेतृत्व और नई दिशा के अवसर के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इतिहास गवाह है कि कई बार राजनीतिक परिवर्तन ही विकास की नई संभावनाओं का मार्ग खोलते हैं। यदि यह सत्ता परिवर्तन बिहार में बेहतर प्रशासन, अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार–मुक्तिए आर्थिक प्रगति और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है, तो यह राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। आने वाला समय ही तय करेगा कि यह निर्णय बिहार की राजनीति में किस प्रकार का अध्याय लिखता है लेकिन इतना निश्चित है कि यह बदलाव राज्य की राजनीति को नई बहसों, नई चुनौतियों और नई संभावनाओं की ओर अवश्य ले जाएगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टीएमसी के राज्यसभा उम्मीदवार कोयल मल्लिक, मेनका गुरस्वामी, राजीव कुमार और बाबुल सुरप्रियो अपने नॉमिनेशन फाइल करते हुए।

राज्यसभा चुनाव के लिए बंगाली अभिनेत्री कोयल मल्लिक ने किया नामांकन

कोलकाता/एजेन्सी

बंगाल की सबसे लोकप्रिय और सदाबहार फिल्म अभिनेत्रियों में से एक, अभिनेत्री कोयल मल्लिक ने टीएमसी की ओर से राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया। 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव की 5 सीटों पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चार उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी हैं और उनमें से एक नाम कोयल मल्लिक का भी है, जो टीएमसी से 2003 से जुड़ी हुई हैं। नामांकन दाखिल करने पहुंची कोयल ने कहा कि वे अपनी आगामी नई यात्रा के लिए बहुत एक्साइटेड हैं और इस यात्रा को पूरा करने के लिए सबके प्यार व सपोर्ट की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं अपनी पूरी मेहनत और ईमानदारी से देश के लिए व अपने राज्य के लिए काम करना चाहती हूं और इसके लिए जनता के प्यार की जरूरत है। इस दौरान उनके साथ मेनका गुरुस्वामी को भी देखा गया।

राज्यसभा चुनावों के लिए तृणमूल कांग्रेस की तरफ से चार उम्मीदवारों की घोषणा की गई थी, जिसमें कोयल मल्लिक और मेनका गुरुस्वामी के अलावा बाबुल सुप्रियो व राजीव कुमार का नाम भी शामिल है। बता दें कि कोयल मल्लिक टीएमसी में काफी लंबे समय से सक्रिय हैं और वह सिर्फ अभिनेत्री नहीं बल्कि समाज सेविका भी हैं। कोयल काफी समय से विधवा औरतों और बेसहारा बच्चों के लिए काम कर रही हैं। दिग्गज अभिनेता रणजीत मल्लिक की बेटी कोयल पिछले दो दशकों से बंगाली सिनेमा में एक प्रमुख नाम रही हैं। आज भी वह ओटीटी और पर्दे पर सक्रिय हैं। उन्हें हाल ही में अपनी फिल्म के लिए 'जी 24 घंटा' के बेस्ट एक्ट्रेस के खिताब से नवाजा गया। अभिनेत्री की हालिया रिलीज फिल्म 'मितिन: एकटी खुनीर संधानय' दिसंबर 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसे क्षेत्रीय स्तर पर बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। अब फिल्मी यात्रा के साथ कोयल की राज्यसभा में एंट्री टीएमसी के संस्कृति, कला और जनता की आवाज को राजनीति में लाने के प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है। अब देखना होगा कि पर्दे पर अपनी अदाकारी से सबका दिल जीतने वाली कोयल का राज्यसभा चुनावों में कैसा प्रदर्शन रहता है।

फारस की खाड़ी में ईरान के भीषण हमलों का मकसद क्षेत्र में अफरातफरी मचाना

दुबई/एपी

कई वर्षों से, ईरान की सरकार चेतावनी देती रही है कि यदि उसे अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह पश्चिम एशिया को मिसाइलों और ड्रोन हमलों से दहला देगी।इस्लामी गणराज्य अब ठीक यही करता नजर आ रहा है।अमेरिका व इजराइल द्वारा शनिवार को युद्ध शुरू करने और ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद से, ईरान ने इजराइल, क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और दूतावासों, तथा फारस की खाड़ी में ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाते हुए हजारों ड्रोन व बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

इसी बीच, ईरान ने तुर्किये पर मिसाइलें दागी हैं और ड्रोन ने अजरबैजान के क्षेत्र को निशाना बनाया है। ईरान की मूल रणनीति युद्ध के विस्तार के खतरों के बारे में भय पैदा करना है, ताकि अमेरिका के सहयोगी देश उस पर इतना दबाव डालें कि वह ईरान में अभियान रोक दे। समस्या यह है कि पड़ोसियों पर हमला करने की रणनीति भी उलटी पड़ सकती है। यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका कार्यक्रम की उप निदेशक एली गेरानमायेह ने कहा, ईरान इस अमेरिकी सैन्य अभियान की लागत बढ़ा रहा है और इसे शुरू से ही क्षेत्रीय रंग दे रहा है, जैसा कि उसने वादा किया था।

बधाई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता और आदित्य ठाकरे ने गुरुवार को मुंबई में अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी से पहले उन्हें बधाई दी। शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे, अपनी पत्नी के साथ, और पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी मौजूद थे।

कनाडा में भारतीय मूल की सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर की हत्या, जान से मारने की मिलती थीं धमकियां

चंडीगढ़/भाषा। पंजाबी मूल की 45 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की कनाडा में चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। नैन्सी की मां ने जालंधर में दावा किया कि उनकी बेटी को जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। नैन्सी की हत्या तीन मार्च को ओंटारियो के लासेल में हुई। नैन्सी, सोशल मीडिया पर पंजाब के विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करती थीं।नैन्सी ने खालिस्तानियों के खिलाफ आवाज उठाई थी और यहां तक कि खालिस्तान समर्थक नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ भी टिप्पणियां की थीं। लासेल पुलिस सेवा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, तीन मार्च को रात साढ़े नौ बजे से कुछ ही समय पहले चाकू से हमला किये जाने की सूचना मिलने पर पुलिस टॉड लेन के 2400 ब्लॉक पर पहुंचीं।

पुलिस ने बताया कि 45 वर्षीय एक महिला घायल अवस्था में मिली और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई।

लासेल पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान नैन्सी ग्रेवाल के रूप में हुई और मामले की जांच जारी है।नैन्सी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय थीं और विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करती थीं।हाल ही में उन्होंने राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों के खिलाफ भी आवाज उठाई थी।गुरिंदर सिंह ने दो फरवरी को नाभा जेल में शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया से मुलाकात की थी।नैन्सी की मां शिंदरपाल कौर ने बृहस्पतिवार को जालंधर में पत्रकारों को बताया कि उनकी बेटी पर कई बार चाकू से हमला किया गया था।

परिवर्तन यात्रा

भारतीय जनता पार्टी के नेता मिथुन चक्रवर्ती और पार्टी सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो गुरुवार को हावड़ा जिले के श्यामपुर में भाजपा की परिवर्तन यात्रा में हिस्सा लेते हुए।

दुबई में फंसे लोगों की मदद के लिए सोनू सूद ने उठाया बड़ा कदम, मुफ्त में करेंगे रहने की व्यवस्था

मुंबई/एजेन्सी

राजपाल यादव की मदद करने के बाद मशहूर एक्टर और प्रोड्यूसर सोनू सूद ने ईरान-इजरायल के बीच चल रहे तनाव के बीच लोगों की मदद करने का फैसला किया है। सोनू सूद ने कहा है कि कि जो लोग युद्ध की स्थिति के बीच दुबई में फंसे हैं, उन्हें मुफ्त आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने मदद का एलान सिर्फ भारतवासियों के लिए नहीं, बल्कि मानवता के आधार पर सभी के लिए किया है। सोनू सूद हमेशा से ही लोगों की निस्वार्थ मदद के लिए जाने जाते हैं और अब उन्होंने दुबई में फंसे मजबूर लोगों के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की बात कही है। अभिनेता का कहना है कि बिना किसी शर्त और

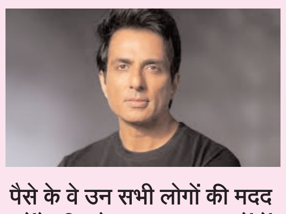

पैसे के वे उन सभी लोगों की मदद करेंगे, जिनके पास उन हालातों में रहने के लिए सुरक्षित आवास नहीं बचा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर आप या आपके किसी परिचित के पास रहने की जगह नहीं है तो वो सीधा इंस्टाग्राम के जरिए उनसे कॉन्टैक्ट कर सकते हैं।

सोनू सूद की इस मुहिम को एक बार फिर यूजर्स ने खुलकर सपोर्ट किया है और उनका कहना है कि सोनू सूद पहले ऐसे अभिनेता हैं, जो हर मुश्किल घड़ी में मदद का हाथ आगे बढ़ाते हैं। इससे पहले सोनू सूद ने राजपाल यादव को जेल से बाहर निकालने के लिए पहला कदम उठाया था और फिल्मी जगत से जुड़े लोगों को अपनी सामर्थ अनुसार पैसे डोनेट करने के लिए कहा था। नतीजा यह हुआ कि कई जाने-माने लोगों ने लाखों रुपए डोनेट किए और 13 दिन की जेल काटने के बाद अभिनेता को बेल मिली। अब राजपाल यादव का कहना है कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि उन्हें काम या पैसों की जरूरत है। उनके पास काम की आज भी कमी नहीं है। उन्होंने अपने नए यूट्यूब चैनल के जरिए यह भी साफ किया था कि उन पर जो चेक बाउंस के आरोप लगे हैं, वह भी गलत हैं। अभिनेता ने कहा था कि वह किसी के सामने न तो गिड़गिड़ाए हैं और न ही काम की भीख मांगी है।

संदीपा धर ने 'चुंबक' की शूटिंग की पूरी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री संदीपा धर ने अपनी आगामी ओटीटी सीरीज़ 'चुंबक' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी कर ली है और इस खास मौके की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए फैंस के साथ साझा की है। साथ ही पोस्ट के माध्यम से इस प्रोजेक्ट की शूटिंग खत्म होने की खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने टीम के साथ अपने अनुभव को भावुक और संतोषजनक बताया। हालांकि उन्होंने फिल्म की कहानी या अपने किरदार के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन उनके संदेश से यह साफ है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है। गौरतलब है कि 'चुंबक' सीरीज़ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है और माना जा रहा है कि इसमें संदीपा एक नए और दमदार अंदाज में नजर आएंगी। फिलहाल इस सीरीज़ की रिलीज डेट और कहानी से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन शूटिंग पूरी होने के साथ ही यह प्रोजेक्ट अब पोस्ट-प्रोडक्शन की ओर बढ़ चुका है। अब तक फिल्मों और वेब सीरीज़ में अपने विविध और प्रभावशाली अभिनय से एक अलग पहचान बनानेवाली संदीपा धर, अपनी सीरीज़ 'चुंबक' को लेकर जितनी उत्साहित हैं, उनके दर्शक उससे भी ज़्यादा उत्सुक हैं, उसे देखने के लिए। उनके फैंस को उम्मीद है कि यह सीरीज़ संदीपा धर के करियर का अगला बड़ा ओटीटी मोमेंट साबित हो सकती है।

वैष्णो देवी में जन्मदिन मनाने पर बोलीं संदीपा धर- यह मेरे लिए आध्यात्मिक जीवनशैली

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री संदीपा धर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री का मानना है कि कोई अभिनेता तभी अच्छा परफॉर्म कर सकता है, जब स्क्रिप्ट और लेखन मजबूत हो। उन्होंने हाल ही में आईएएनएस के साथ खास बातचीत में बताया, जिम्मेदारी ज्यादातर लेखन पर होती है। अगर किरदार अच्छे से लिखे गए और अलग हों, तो एक्टर को बस उस ब्लूप्रिंट को फॉलो करना होता है। फिल्मों में असली चुनौती स्क्रीन टाइम होता है।

कुछ ही सीन में कैरेक्टर का पूरा सफर, मुश्किलें और समाधान दिखाना पड़ता है। इसके लिए अच्छी तैयारी और क्राफ्ट में स्पष्टता जरूरी है। वहीं, संदीपा हर साल अपना जन्मदिन जम्मू-कश्मीर में वैष्णों देवी में मनाती हैं। इसके बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, हर साल मैं जन्मदिन मां वैष्णों देवी में मनाती हूं। ये मेरी पुरानी परंपरा है। पहाड़ों में मिलने वाली शांति मुंबई में नहीं मिलती है। उन्होंने कहा, शायद इसलिए कि मेरी जड़ें पहाड़ों से जुड़ी हैं, इसलिए मैं उनसे गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करती हूं।

संदीपा ने बताया कि उनका जन्मदिन साल की शुरुआत में पड़ता है, तो वे साल की अच्छी शुरुआत के लिए भी वैष्णो देवी जाती हैं। उन्होंने कहा, मेरा जन्मदिन साल की शुरुआत में पड़ता है, इसलिए यह एक आध्यात्मिक जीवनशैली जैसा लगता है। दिलचस्प बात यह है कि

जब भी मैं वैष्णो देवी से लौटती हूं, तो आमतौर पर मेरे लिए कोई अच्छी खबर होती है। इस बार, मेरी फिल्म थिएटर में रिलीज होने वाली है। हमने इसे काफी समय पहले शूट किया था और इसे आखिरकार दर्शकों तक पहुंचते देखना और अब नेटफ्लिक्स पर भी स्ट्रीम होते देखना एक आशीर्वाद जैसा लग रहा है। मुझे सच में विश्वास है कि यह माता रानी की कृपा है कि मुझे अपने रोल के लिए इतनी तारीफ मिल रही है। फिल्म वैलिडेशन और सेल्फ-एक्सेप्टेंस पर फोकस करती है। सोशल मीडिया के दौर में वैलिडेशन का प्रेशर बहुत बड़ा मुद्दा बन गया है।

संदीपा ने कहा, हम खुद को एक्सेप्ट करने की बजाय लगातार दूसरों से वैलिडेशन मांगते हैं। हम सोचते हैं कि जो हम बनना चाहते हैं, वह हमसे बेहतर है। लेकिन हमें समझना चाहिए कि जैसे हम हैं, वैसे ही काफी हैं। आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए संदीपा ने बताया कि उनका नेटफ्लिक्स शो 'चुंबक' जल्द आने वाला है, जिसे लक्ष्मण उटेकर ने डायरेक्ट किया है।

'द ब्लफ' में प्रियंका चोपड़ा का अभिनय देख हैरान हुए एसएस राजामौली

मुंबई/एजेन्सी

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं और हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक्टिंग से सबको मंत्रमुग्ध कर रही हैं। 26 फरवरी को अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की 'द ब्लफ' रिलीज हुई है, जिसे ग्लोबली बेहद शानदार रिस्पांस मिल रहा है लेकिन इसी बीच बेहतरीन निर्देशक माने जाने वाले एसएस राजामौली भी प्रियंका का हॉलीवुड अवतार देखकर हैरान हैं और खुद को तारीफ करने से रोक नहीं पा रहे हैं। निर्देशक एसएस राजामौली ने हाल ही में प्रियंका की 'द ब्लफ' देखी और देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। निर्देशक का कहना है कि अभिनेत्री संवेदनशील और मजबूत दोनों किरदार निभाने में सक्षम हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से एक हैं जो एक पल में बेहद संवेदनशील और अगले ही पल बेहद मजबूत नज़र आ सकती हैं।

'द ब्लफ' उनकी प्रतिभा का एक और प्रमाण है, जिसमें कई शानदार स्टंट भी शामिल हैं। मुझे फिल्म का माहौल और गति दोनों पसंद आए। पूरी टीम को बधाई।

प्रियंका की 'द ब्लफ' की तारीफ साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू ने भी की थी। उनका कहना है कि फिल्म में अभिनेत्री ने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है, और उनका दमदार और प्रभावशाली प्रदर्शन तारीफ के काबिल है।बता दें कि निर्देशक एसएस राजामौली, महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्म वाराणसी पर काम कर रहे हैं, जिसका बजट 1300 करोड़ है। फिल्म की शूटिंग अभी पूरी नहीं हुई है और आने वाले छह महीनों तक फिल्म की पूरी स्टारकास्ट को बहुत मेहनत करनी है। हाल ही में प्रियंका ने खुलासा किया था कि फिल्म की शूटिंग 14 महीने पहले से हो रही है और आगे भी छह महीने तक चलेगी। खास बात यह है कि फिल्म को शूट करने के लिए आईमैक्स तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, जो पर्दे पर दर्शकों के फिल्म देखने के अनुभव को और भी खास करेगा। वाराणसी 2027 में रिलीज होगी और अभी तक फिल्म के पोस्टर व मोशन पोस्टर रिलीज किए गए हैं।

कमलिनी मुखर्जी: कविताओं से शुरू हुआ सफर, फिर सिनेमा की दुनिया की बनीं चर्चित अभिनेत्री

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की दुनिया में कई कलाकार ऐसे हैं जिनकी पहचान सिर्फ उनके अभिनय से नहीं, बल्कि उनके विचारों से भी बनती है। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं कमलिनी मुखर्जी, जिन्होंने अपनी सादगी और दमदार किरदारों से खास जगह बनाई। बहुत कम लोग जानते हैं कि कैमरे के सामने आने से पहले उनका रिश्ता शब्दों से था। बचपन में उन्हें कविता लिखना पसंद था और साहित्य उनकी पहली पसंद रहा। कमलिनी मुखर्जी का जन्म 4 मार्च 1984 को कोलकाता में हुआ। उनके पिता कारोबारी थे और उनकी मां ज्वैलरी डिजाइनर हैं। घर में रचनात्मक माहौल था, जिसका असर उन पर भी पड़ा। स्कूल और कॉलेज के दिनों में उन्हें पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। खासतौर पर अंग्रेजी साहित्य में उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने कोलकाता से अंग्रेजी साहित्य में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसी दौरान वह कविताएं लिखती थीं और मंच पर नाटक भी करती थीं। बचपन से ही उन्हें अभिनय करना अच्छा लगता था। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने दिल्ली में होटल मैनेजमेंट का कोर्स शुरू किया, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनकी असली रुचि अभिनय और थिएटर में है। इसके बाद वह मुंबई चली गईं और थिएटर वर्कशॉप जॉइन की। यहीं से उनके अभिनय सफर की असली शुरुआत हुई।

साल 2004 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'फिर मिलेंगे' से अपने करियर की शुरुआत की। यह फिल्म एड्स जैसे गंभीर विषय पर आधारित थी। इसमें उनका छोटा लेकिन अहम किरदार था। उसी साल उन्हें तेलुगू फिल्म 'आनंद' का भी ऑफर मिला। इस फिल्म में उन्होंने एक

ऐसी लड़की की भूमिका निभाई जो आत्मनिर्भर और मजबूत सोच की है। उनके इस किरदार को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नंदी पुरस्कार भी मिला। यह उनके करियर की बड़ी उपलब्धि थी। इसके बाद कमलिनी ने कई सफल फिल्मों में काम किया।

तेलुगू फिल्म 'गोदावरी' में उनका किरदार काफी पसंद किया गया। फिल्म 'गम्यम' ने भी उन्हें नई पहचान दी। इसके अलावा, उन्होंने तमिल फिल्म 'वेट्टैयाडू विलाययाडू' और मलयालम फिल्म 'पुलिमुरुगन' जैसी फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं की फिल्मों में अभिनय कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की। कमलिनी ने हमेशा ऐसे किरदार चुने जिनमें गहराई हो। यही कारण है कि उनकी साहित्यिक पृष्ठभूमि उनके अभिनय में झलकती रही। उन्होंने भरतनाट्यम की ट्रेनिंग भी ली है, जिससे उनके हाव-भाव और भी प्रभावशाली लगे।

इंडियन ओवरसीज बैंक को एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट में आईएसओ प्रमाणपत्र मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने हॉल ही में जोखिम जागरूकता दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर इंडियन ओवरसीज बैंक भारत के सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक बना जिसने अपने एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट (ईआरएम) ढांचे को आईएसओ 31000:2018 के अनुरूप स्थापित किया और प्रभावी जोखिम प्रबंधन के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त किया। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि बैंक की अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने और सतत विकास तथा संगठनात्मक लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए अपने जोखिम प्रबंधन ढांचे को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

अपनी जोखिम संस्कृति नीति के अनुरूप बैंक सक्रिय जोखिम पहचान, मूल्यांकन और प्रबंधन को अपने व्यवसाय और रणनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं का अभिन्न अंग मानता है। इस दिन को मनाने के लिए, बैंक ने विभिन्न कर्मचारी सहभागिता पहलों का आयोजन किया, जिनमें जोखिम जागरूकता प्रतिज्ञा का संचालन, ऑनलाइन प्रतियोगिताएं और जोखिम प्रबंधन पत्रिका, आईओबी रेजिलिएंट (मार्च 2026) का विशेष संस्करण जारी किया, जिसमें जोखिम प्रशासन में प्रमुख विकास और सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रकाश डाला गया है। इस कार्यक्रम का नेतृत्व बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कार्यकारी निदेशकों जॉयदीप दत्ता रॉय और धनराज टी के साथ मिलकर किया, जिन्होंने जोखिम जागरूकता दिवस की शपथ दिलाई और एक लचीला, जोखिम के प्रति जागरूक और भविष्य के लिए तैयार संगठन बनाने के लिए बैंक की सामूहिक प्रयासों की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

एसआरएमआईएसटी में ओटीए द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर सुरक्षा में डिप्लोमा कोर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कट्टनकुलथुर के एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) के छात्रों के पहले बैच ने चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए) से सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर सुरक्षा में डिप्लोमा प्राप्त किया है। एसआरएमआईएसटी और ओटीए के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन के तहत एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम के अंतर्गत भावी सैन्य कर्मियों को सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण के अत्याधुनिक क्षेत्रों में संरचित ज्ञान से लैस करने के लिए पाठ्यक्रम डिज़ाइन किया गया था, जिससे राष्ट्र की साइबर सुरक्षा और डिजिटल युद्ध क्षमता को मजबूत किया जा सके। इस शैक्षणिक साझेदारी के तहत कुल 350 अधिकारी कैडेटों को डिप्लोमा प्रदान किया गया जिसमें 321 पुरुष कैडेट और 29 महिला कैडेट शामिल थीं। स्नातक होने वाले इस समूह ने उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की, जिसमें 16 रैंक धारक भी शामिल रहे।

यह एसआरएमआईएसटी के छात्रों का पहला बैच है जिन्होंने ओटीए से विशेष रूप से तैयार किए गए डिप्लोमा कार्यक्रम के तहत स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी दक्षता को सैन्य प्रशिक्षण के साथ एकीकृत करना है। अधिकारी कैडेटों के कठोर शारीरिक और सामरिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए संरचित इस कार्यक्रम ने उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखा, साथ ही रक्षा कर्मियों के लिए उपयुक्त लचीलापन भी प्रदान किया। एसआरएमआईएसटी के अनुभवी संकाय सदस्यों और तकनीकी विशेषज्ञों ने ओटीए अधिकारियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में पाठ्यक्रम का संचालन किया।

कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल माइकल ए.जे. फर्नांडीज, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, कमांडेंट, ओटीए, चेन्नई उपस्थित रहे। इन सभी अधिकारियों ने सैन्य प्रशिक्षण में उन्नत तकनीकी शिक्षा को एकीकृत करने के महत्व को स्वीकार किया इस अवसर पर, एसआरएमआईएसटी के कुलपति प्रोफेसर सी. मुथमिज़्चेलवन उपस्थित थे।

मधुकर मुनि जैन हॉस्पिटल में आई क्लीनिक का विस्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पेरम्बूर स्थित युवाचार्य मधुकर मुनि जैन हॉस्पिटल परिसर में भगवान महावीर वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में आई क्लिनीक का विस्तार करते हुए रेटीना एनटीरीर मशीन का उद्घाटन किया गया है। इससे ऑखों की दृष्टि संबंधित समस्याओं के इलाज में मदद मिलेगी। यह मशीन कई लोगों को बेहतर दृष्टि प्रदान करेंगी और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लायेगी। इसी कड़ी में केंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें डॉ. राजेश कार द्वारा केसर के बचाव एवं इलाज के बारें में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस मौके पर हॉस्पिटल के अध्यक्ष पारमलजी सुराणा, मंत्री चेतन पटवा, उपाध्यक्ष विजय तातेड, सह मंत्री गौतम सकलेचा, सहकोषाध्यक्ष संजय मेहता, महेन्द्र कुंकुलोल, रिखबचंद लोढ़ा और रूपराज कोठारी आदि ने सेवाएं दी।

गणगौर द्वारा 'होलजोडी-25-26' का रंग भरा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु की महिला विंग गणगौर द्वारा होली पर्व के उपलक्ष्य में टी नगर स्थित एक होटल में होलजोड़ी धमाका 25-26 हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। चेयरपर्सन ममता अग्रवाल व टीम ने गुलाल लगा कर सभी का स्वागत किया। रजत के को आर्डिनेटर अजय नाहर व सह कोआर्डिनेटर ज्ञानचंद कोठारी ने विशेष रूप से उपस्थित रह कर सभी को होली की शुभकामनाएं प्रेषित की।

तत्पश्चात सफर बैंड ने पुराने व नये गानों की प्रस्तुति द्वारा सभी का मन मोह लिया और सभी दर्शक झुम झुम कर नाचने लगे। कुल 170 सदस्यों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। सभी पर फुल बरसाए गए। को-चेयरपर्सन कंचन बिसानी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आशीष गोयल ने साज सज्जा की व्यवस्था संभाली। पधारे सभी ने ठंडाई व स्वरुचि भोज का आनन्द लिया। पूर्व चेयरपर्सन रेखा सिंघी, कमेटी सदस्य निहारिका राठी, मोनिका जैन, सुनीता भंसाली, रिंकू धानुका, पुनीता खेमका, सिल्की गुप्ता, प्रगति जैन, सरोज जैन आदि सदस्याओं ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

करूर वैश्य बैंक ने पट्टाभिराम में नई शाखा खोली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने चेन्नई के पट्टाभिराम में अपनी नई शाखा का उद्घाटन किया है, इस नई शाखा के साथ बैंक की देश में कुल शाखाओं का नेटवर्क 901 तक पहुंच गया है। पट्टाभिराम स्थित इस नई शाखा का उद्घाटन वेलटेक हाईटेक के डॉ. ई. रंगराजन तथा शकुंतला इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ ई कमलाबेन ने किया। उद्घाटन समारोह में महालक्ष्मी विमेन आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. अनीता रमन द्वारा गायत्री मंत्र एवं दीप प्रज्वलित करने की परंपरा संपन्न की गई जबकि परिसर में स्थित एटीएम का उद्घाटन केसी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के संस्थापक डॉ. सी. सतीशबाबू ने किया। यह विस्तार आवडी और पट्टाबिराम क्षेत्रों के जीवंत आवासीय और वाणिज्यिक केंद्र को आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए केवीबी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।, करूर वैश्य बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रमेश बाबू ने इस अवसर पर कहा कि पट्टाबिराम शाखा का उद्घाटन चेन्नई के इस महत्वपूर्ण उपनगर के निवासियों और बढ़ते कारोबारी समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाली बैंकिंग सेवाएं सुलभ कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस्कॉन मंदिर में भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाई गई होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सोलिंगनल्लूर स्थित इस्कॉन टेंपल में भक्ति, उमंग एवं उल्लास के साथ होलिका दहन एवं रंगों का त्यौहार होली उत्साहपूर्वक मनाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति में इस्कॉन टेंपल के सदस्य एवं अग्रवाल समाज के सुरेश संघी व उनकी पत्नी कामिनी ने पं. जयप्रकाश मिश्रा के नेतृत्व होलीपूजा अर्चना की। पूजा में महावीर प्रसाद गुप्ता, इन्द्रराज बंसल, नरहरि चौधरी, किशन लाल मोदी सहित अन्य लोगों ने सपरिवार भाग लिया। इस्कॉन मंदिर के सभी सदस्यों ने भजन एवं कीर्तन प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया सभी भक्तों ने भजन और कीर्तन का आनंद उठाया। समारोह के अंत में श्रद्धालुओं में ठंडाई और प्रसाद का वितरण किया गया। यह जानकारी अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष इंद्रराज बंसल ने दी है।

राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नागरकोइल में स्थानीय हिन्दू मंदिर अंलगमन के थेर यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) नागरकोइल के सदस्यों ने ठंडे पानी और आइस्क्रीम के साथ जलपान की व्यवस्था की। बीजेस कार्यकर्त्ता जीव दया प्रेमी महावीर मुथा, बीजेएस नगरकोईल के अध्यक्ष दिनेश भंडारी, विक्रम भंसाली, श्रीपाल चीकू भाई और महिला कार्यकर्त्ता में रेखा बेन पुष्पा बेन अनीता बेन डिंपल बेन निधि बेन मौजूद रहे।

चेन्नई में माँ ज्वालामालिनी का मंगलपाठ संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर/चेन्नई। शहर के कलइमगल स्थित संतोष बाई-आनंदराज गुन्देचा के निवास पर ज्वालामालिनी के साधक गुरु सत्यज्वाला की पावन निश्रा में मंगल पाठ, जाप व ज्योत महोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्वालामैया को दीप प्रज्वलित कर किया गया। रवि पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर पूज्य गुरु सत्यज्वाला जी ने अपने प्रवचन के दौरान ज्वालामालिनी माता की असीम महिमा का वर्णन करते हुए कई प्रेरक दृष्टांत सुनाए।

शांत और भक्तिपूर्ण वातावरण में उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं ने मातारानी के 108 जाप किए और गुरुदेव ने मंत्रोचार के साथ कुमकुम अर्चना की। इस अवसर पर भक्ति की रमझट और भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। उषा परमार व जिया परमार ने गुरुदेव को वन्दन करते हुए चन्द्रप्रभु अधिष्टायिका दुःख नाशक सुखकार, लाखों स्वर्गों से भला ज्वाला तेरा दरबार...। गुरूवर तेरा सर पर हाथ रहे...। आदि भक्ति गीतों से उपस्थित भक्तों को भक्ति रस में डुबोते हुए देर रात तक समा बांधे रखा।

मैया की भक्ति के दौरान गुरुदेव की प्रेरणा से श्री चन्द्रज्वाला शक्तिपीठ तीर्थ हेतु भूमि क्रय योजना में भक्तों ने लाभ भी लिया। इस अवसर पर स्वरूपचन्द मुथा, सुन्दरलाल दुगड़, डॉ. प्रकाशचन्द खिंवेसरा, मुन्नालाल चौपड़ा, पंकज समदड़िया, प्रकाश झामड़, राजु मुथा, करण गुन्देचा, राहुल लुणिया सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए भक्तगण मौजूद थे। भक्ति महोत्सव का संचालन मधुबाई गुलेच्छा ने किया।

होली कोयम्बटूर के सीरवी समाज ट्रस्ट द्वारा होली मिलन का आयोजन किया गया। आई मातामंदिर में आयोजित होली मिलन के कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित हुए राजस्थानी संघ के अध्यक्ष संतोष मून्दड़ा का सीरवी समाज के अध्यक्ष उमेद द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर पारम्परिक गैर नृत्य का सभी ने आनन्द लिया।

'वर्ल्ड इन योर हैंड' के तहत लैपटॉप वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवल्लूर। यहां श्री चंद्रप्रभु जैन कॉलेज के अरिहंत कॉन्फ्रेंस हॉल में तमिलनाडु सरकार की कल्याणकारी पहल योजना उलगम उंगल कैयिल, 2026 के तहत लैपटॉप वितरण समारोह का आयोजन हुआ।

कुल 160 छात्रों को उनके शैक्षणिक विकास और डिजिटल पहुंच का समर्थन करने के उद्देश्य से लैपटॉप प्राप्त हुए। यूएमआईएस-नोडल अधिकारी के गणित विभाग के प्रमुख डॉ. एस. मुथुकुमार ने सभा में स्वागत किया। हमारे कॉलेज के अध्यक्ष एस. नेमीचंद कटारिया; सचिव ललित कुमार ओ. जैन; संयुक्त सचिव डॉ. सुरेश राठौड़; प्रधानाचार्य डॉ. एन. सुजाता की उपस्थित में लैपटॉप पात्र छात्रों को बांटे गए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.